संलग्न क्र.5

(1)

# कार्यवाही विवरण

मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम व पोस्ट--जामगांव, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित Expansion of Integrated Steel Plant - DRI Plant from 3,75,000 TPA to 9,53,000 TPA, SMS from 3,05,512 TPA to 11,71,000 TPA, Rolling Mill from - 4,80,000 TPA to 10,20,000 TPA, CPP from 72.5 MW to 123.5 MW, New Sinter Plant - 7,20,000 TPA, New Blast Furnace - 4,50,000 TPA, New Oxygen Plant - 220 TPD की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई **दिनांक 25 अप्रेल 2022 का कार्यवाही विवरण :–**

भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के अनुसार, मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड, ग्राम व पोरट–जामगांव, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में क्षमता विस्तार के तहत् प्रस्तावित Expansion of Integrated Steel Plant - DRI Plant from 3,75,000 TPA to 9,53,000 TPA, SMS from 3,05,512 TPA to 11,71,000 TPA, Rolling Mill from - 4,80,000 TPA to 10,20,000 TPA, CPP from 72.5 MW to 123.5 MW, New Sinter Plant - 7,20,000 TPA, New Blast Furnace - 4,50,000 TPA, New Oxygen Plant - 220 TPD की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु **लोक सुनवाई दिनांक 25.03.2022, दिन–शुक्रवार, समय प्रातः 11:00 बजे, स्थान–सामुदायिक भवन, ग्राम पंचायत जॉमगांव (बस्ती) के समीप का मैदान, तहसील व जिला–रायगढ़** (छ.ग.) में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ़, की अध्यक्षता में लोकसुनवाई प्रातः 11:00 बजे प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रायगढ़ तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपरिथत थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम पीठासीन अधिकारी द्वारा उपस्थित प्रभावित परिवारों, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, ग्रामीणजनों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जन प्रतिनिधि तथा इलेक्ट्रानिक एवं प्रिंट मिडिया के लोगो का स्वागत करते हुये जन सुनवाई के संबंध में आम जनता को संक्षिप्त में जानकारी देने हेतु क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी को निर्देशित किया। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी, साथ ही कोविड 19 के संबंध में गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेश दिनांक 30.09.2020 के अनुसार सोशल डिस्टेरिंग का पालन करने, हेण्डवाश अथवा सेनेटाईजर का उपयोग किये जाने, मास्क पहनने एवं थर्मल स्केनिंग किये जाने की जानकारी दी गई। पीठासीन अधिकारी द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार को प्रोजेक्ट की जानकारी, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव, रोकथाम के उपाय तथा आवश्यक मुद्दे से आम जनता को विस्तार से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

लोक सुनवाई में कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के प्रस्तुतिकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम मैं डॉ संजय परिहार, मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पावर लिमिटेड द्वारा पूर्व में संचालित कारखाना से जुड़े हुए क्षेत्र में परियोजना विस्तार प्रस्तावित है। यह विस्तार योजना ग्राम जामगांव जिला रायगढ़ (छ.ग.) में निहित है। मेसर्स एम

एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड देश में लौह एवं इस्पात कि एक प्रतिष्ठित निर्माता है। वर्तमान में एस.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड ग्राम जामगांव जिला रायगढ़ (छ.ग.) में एकीकृत इस्पात एण्ड पॉवर प्लांट का संचालन सफलता पूर्वक कर रहा हे। इस्पात की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए ईकाई ने क्षमता विस्तार योजन का प्रस्ताव रखा है जो इस प्रकार है :– स्पंज आयरन (डी.आर.आई.) कुल क्षमता 375000 टन प्रतिवर्ष, 953000 प्रस्तावित क्षमता टन प्रतिवर्ष, स्टील मेटिंग शौप (एसएमएस) कुल क्षमता 389000 टन प्रतिवर्ष 1171000 प्रस्तावित क्षमता टन प्रतिवर्ष, रोलिंग मिल (आर एम) 480,000 टन प्रतिवर्ष 10,20,000 प्रस्तावित क्षमता टन प्रतिवर्ष, ब्लास्ट फर्नेस प्रस्तावित क्षमता टन प्रतिवर्ष 450,000, सिंटर प्लांट प्रस्तावित क्षमता टन प्रतिवर्ष 720,000, ऑक्सीजन प्लांट प्रस्तावित क्षमता 220 टन प्रतिदिन, कैप्टिव पावर प्लांट 72.5 मेगावाट कुल क्षमता टन प्रतिवर्ष 123.5 मेगावाट प्रस्तावित क्षमता टन प्रतिवर्ष। वर्तमान मं विद्यमान इस्पात संयंत्र 64.4 हेक्टैयर में स्थापित है। इस क्षमता विस्तार योजना के लिए 29.6 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी। जिसका अधिग्रहण छत्तीसगढ़ सरकार की नीति के तहत् किया जोयगा। परियोजना स्थल क पास कोई भी राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य, हाथी कारीडोर, बाघ रिजर्व क्षेत्र, सुरक्षित पुरातत्वीय स्थल, रक्षा प्रतिष्ठान एवं किटिकल प्रदूषित क्षेत्र नहीं है। प्रस्तावित परियोजना विस्तार की अनुमानित लागत 2045 करोड़ है। इस प्रस्तावित विस्तार योजना के लिए प्रतिघंटा 3050 किलोलीटर जल की आवश्यकता होगी। जिसकी आपूर्ति कुरनाला से किया जाना प्रस्तावित है। पानी को पाईप लाईन के माध्यम से उद्योग परिसर तक लाया जायेगा। प्रस्तवित विस्तार परियोजना के लिए कोई भी भू जल नहीं लिया जायेगा। इस्पात और बिजली बनाने की प्रकिया के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध तकनीकी का चयन किया गया है। चयनित इकाईयां प्र्यावरण के अनुकूल तकनीक पर आधारित है जिसमें प्रदूषण की तीव्रता कम ह। इस्पात और बिजली संयंत्र के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लागू प्रदूषण निर्वहन मानको का प्रस्ताव किया गया है। वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली को 30 मिलीग्राम प्रति सागान्य घनमीटर के पार्टिकुलेट मैटर उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने के लिए डिजाईन किया जायेगा। चूरा किया हुआ कच्चा माल (लौह अयस्क, कोयला एवं डोलोमाईट) किल्न में डाला जाता है। कोयला लोह अयस्क को गलाने एवं रिड्यूसिंग एजेन्ट का कार्य कर लोह अयस्क को स्पंज आयरन में परिवर्तित कर देता है। स्पंज आयरन से अपशिष्टों को मैग्नेटिक सेपरेट द्वारा अलग कर लिया जाता है। स्पंज आयरन को स्टील मेल्टींग शॉप में उपयोग कर स्टील का निर्माण किया जाता है ब्लास्ट फर्नेस एक लम्बरूप ताप सहनशील भट्‌टी है जिसके उपरी हिस्से में पैलेट लौह अयस्क, कोयला और चून पत्थर को धीरे–धीरे फर्नेस में डाला जाता है। यह कच्चा माल गर्म हव के संपर्क में आता है। कोक लौह अयस्क को गलाने एवं रिड्यूसिंग एजेंट का कार्य कर लौह अयस्क को आयरन में परिवर्तित कर देता है। अशुद्धियां स्लैग में परिवर्तित हो जाती है। स्लैग व आयरन को नियमित अन्तराल पर अलग कर लिया जाता है। ब्लास्ट फर्नेस गैस को रिहीटींग स्टोव में इंधन के रूप में उपयोग कर लिया जाता है। गलित लोह पदार्थ को पिग आयरन के रूप में स्टील मेल्टींग शॉप मे स्टील बनाने के लिए भेजा जाता है। स्टील प्राप्त करने के लिए इंडक्शन फर्नेस के ऊपर से पिग आयरन, स्पंज

आयरन, स्टील स्क्रैप, पिघले हुए लोहे और फेरो एलॉय को फर्नेस में आवश्यकतानुसार चार्ज किया जाता है। फर्नेस में ऑक्सीजन ब्लो की जाती है। स्टील को टैप कर लिया जाता है। और हाईड्रोजन, नाईट्रोजन और ऑक्सीजन जैसी गैसों की कमी के लिए लैडल रिफाईनिंग फर्नेस, वैक्यूम डीगैसिंग यूनिट को भेजा जाता है। तरल स्टील को बिलेट/स्लैब के रूप में परिवर्तित किया जाता है। स्लैग को टेप होल द्वारा अलग कर लिया जाता है। रोलिंग मिल की सहायता से स्टील बिलेट से विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाते है। ब्लास्ट फर्नेस गैस को रिहीटींग फर्नेस में उपयोग कर लिया जाता है। कोयले को चूरा कर डैन्स मीडिया बाथ में धुलाई की जाती है। शुद्ध कोयले को मिडलिंग से अलग कर लिया जाता है। पानी युक्त कोयले की धूल को थिकनर में ले जाकर कोयले की धूल को पानी से अलग कर लिया जाता है। सिन्टरिंग प्रक्रिया में स्टील इकाई से उत्सर्जित ठोस अपशिष्टों में उपस्थित आयरन को पुनः उपयोग कर लिया जाता है। लौह अयस्क चूर्ण एवं लौह युक्त धून, चूना पत्थर एवं कोयला को मिक्स करके सिन्टरिंग फर्नेस में नोडयुल में परिवर्तित किया जाता है। नोड्युल को सिन्टर मशीन में डाल कर सिन्टर बानाया जाता है। इस प्लांट में हवा में उपस्थित नाइट्रोजन, ऑक्सीजन एवं आर्गन गैस को अलग कर लिया जाता है। ऑक्सीजन का उपयोग एसएमएस एवं ब्लास्ट फर्नेस में किया जायेगा। जब भी कोई उद्योग लगता हैं पर्यावरण संरक्षण उसका सबसे प्राथमिक एवं अभिन्न अंग होता है। पर्यावरण संरक्षण के लिये कंपनी ने विस्तृत कार्य योजना बनायी है। जिसमें वायु, जल, ध्वनि, मृदा प्रदूषण के रोकथाम के लिए विभिन्न उपाय किये जायेंगें जो निम्नानुसार है :– वायु गुणवत्ता नई इकाईयों से उत्सर्जित धूल के उत्सर्जन को ईएसपी, बैग फिल्टर, बैग हाउस, ड्राई फॉगिंग सिस्टम, फ्यूम एक्सट्रैसन सिस्टम एवं जल छिड़काव से नियंत्रित किया जायेगा। इन सभी स्त्रोतों से उत्सर्जित धूल का स्तर 30 मिलीग्राम प्रति सामान्य घन मीटर के अंतर्गत रखा जायेगा। ब्लास्ट फर्नेस से उत्सर्जित धूल को नियंत्रित करने के लए डस्ट कैचर का उपयोग किया जायेगा जिसका स्तर 10 मिलीग्राम प्रति सामान्य घन मीटर तक रखा जायेगा। गैसीय प्रदूषकों को केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा निर्देशों के तहत् उंची चिमनियों की सहायता से विस्तृत दायरे में फैलाया जायेगा। इकाईयों के चारों ओर 25 मीटर चोड़ी हरित पट्टी का विकास किया जायेगा। निर्माण काल के दौरान उत्सर्जित धूल को कम करने के लए नियमित जल छिड़काव किया जायेगा। स्टॉक हाउस, किल्न बिन्स, मटेरिलय हैण्डलिंग क्षेत्र, क्रशिंग हाउस, स्क्रीनिंग आदि क्षेत्रों से उत्सर्जित धूल का निर्मूलीकरण के लिए सक्शन, डक्टिंग एवं बैग फिल्टर का उपयोग किया जायेगा। जल गुणवत्ता निर्माण काल के दौरान कैन्टीन, साईट ऑफिस एवं अन्य स्थलों से निकलने वाले जल के लिए अलग से नालियों का निर्माण जायेगा। इस जल का धूल निर्मूलिकरण में उपयोग किया जायेगा। कुलिंट टावर ब्लोडाउन से उत्सर्जित जल को उपचारित कर धूल निर्मूलीकरण एवं स्लैग ग्रेनुलेश्न में उपयोग किया जायेगा। घरेलू अपशिष्ट जल को उपचारित करने के लिये, अपशिष्ट जल उपचारित संयंत्र, एसटीपी में किया जायेगा। उपचारित जल को बागबानी के लिए पुनः उपयोग किया जायेगा। वर्षा जल के लिये अलग से नालियां बनाई जायेंगी। जिसमें सेडिमेंटेशन पिट एवं ऑयल सेपरेटर बनाये जायेगें। मानसून के दौरान वर्षा जल को नजदीकी नाले में निस्त्राव

किया जायेगा। स्पैंट आयन एवं लुब्रीकेंट को ड्रमों में एकत्रित कर पर्यावरण विभाग द्वारा पंजीकृत पुर्नचक्रण कर्ता को भेज दिया जायेगा। इकाई परिसर में आई डी फैन, एयर ब्लास्ट, टरबाईन पम्प, एयर कम्प्रेसर, ब्लोअर, मिल ऑपरेशन एवं रोटेटिंग मशीने ध्वनि का मुख्य स्त्रोत होगें। ये सभी कियायें बन्द शेडो के अंदर सम्पन्न कराई जायेगी। क्रशर, स्क्रीन प्लांट और कन्वेयर बेल्ट आदि उपकरण सब ढके होगे ताकि किसी भी प्रकार की उत्पन्न होने वाली ध्वनि कम से कम बाहर जाए ताकि ध्वनि प्रदूषण न हो। अधिक ध्वनि वाले स्थान में ध्वनिरोधक तत्व का इस्तेमाल किया जोयाग। ताकि परिवर्तित ध्वनि को कम किया जा सके। हरियाली का विकास ध्वनि नियंत्रण में सहायक होगा। 33 प्रतिशत भूमि में हरियाली का विकास किया जायेगा, जो ध्वनि नियंत्रण में सहायक होगा। अधिक ध्वनि वाले स्थानों पर कार्य करने वाले मजदूरों को ईयर प्लग दिये जायेंगे। इन सभी उपायों को अपनाने से इकाई परिसर की सीमा में ध्वनि का स्तर दिन में 75 dB की राष्ट्रीय ध्वनि गुणवत्ता मानक सीमा में रहेगा। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन ब्लास्ट फर्नेस को पीसकर सीमेंट निर्माण के लिए उपयोग किया जायेगां। स्टील मेल्टीग स्लैग का उपयोग सड़क निर्माण में किया जायेगा। सिन्टर प्लांट से उत्सर्जित होने वाली धूल इत्यादि को सिन्टर प्लांट में पुनः उपयोग किया जायेगा। डी आर आई प्लांट में निकलने वाले डोलोचार को कोल चूर्ण एवं मिडलिंग के साथ मिलाकर विद्युत उत्पन्न करने के लिये उपयोग किया जोयगा। आयरन ओर चूर्ण, मिल स्केल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों से उत्सर्जित होने वाली धूल को सिन्टर प्लांट में पुनः उपयोग किया जायेगा। कोल वाशरी मिडलिंग एवं चूर्ण को विद्युत उत्पादन के लिये उपयोग किया जायेगा। मृदा गुणवत्ता इकाई क्षेत्र और इसके आस–पास की मृदा बलुई दोमट एवं चिकनी दोमट है। इस मृदा की इनफिल्ट्रेशन दर सामान्य है। इकाई परिसर से उत्सर्तित होने वाली धूल को धूल नियंत्रक उपकरणों के प्रयोग से कम किया जायेगा। इकाई परिसर से उत्सर्जित होने वाले ठोस अपशिष्टों एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों से उत्सर्जित होने वाली धूल का पुनः उपयेाग कर लिया जायेगा। अनुपयोगी ठोस अपशिष्टों को इकाई परिसर के अंदर पक्की फर्श में संग्रहित किया जायेगा। इस तरह से उत्सर्जित होने वाली धूल बाहर जाकर मृदा प्रदूषण नहीं करेगी। इस प्रकार से हम सभी क्षेत्रवासियों को आश्वस्त करना च ाहते हैं कि संयंत्र प्रारंभ होने के बाद किसी भी प्रकार का प्रदूषण बनाये गये प्रावधानों के अनुरूप सीमा के अंदर ही होगा जिसमें किसी प्रकार का भी कुप्रभाव किसी पर न पड़े। जन स्वास्थ्य उचित पर्यावरणीय प्रदूषण नियंत्रण एवं रोकथाम के उपाय को अपना कर वायु प्रदूषकों का स्तर राष्ट्रीय परिवेशीय वायु गुणवत्ता की सीमा में रखा जायेगा। अतः मानव स्वास्थ्य एवं वनस्पति पर इसका कम से कम प्रभाव पड़ेगा। इकाई से उत्सर्जित होने वाले अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग किया जायेगा। इकाई में जहरीले रसायनों एवं हानिकारक अपशिष्ठों का उपयोग नहीं किया जायेगा अतः इकाई संचालन से मानव स्वास्थ्य पर इसका नगन्य प्रभाव होगा। सड़क यातायात पर प्रभाव कच्चा माल एवं तैयार माल का परिवहन रेल मार्ग द्वारा किया जायेगा। कुछ कच्चे माल का परिवहन सड़क मार्ग से भी किया जायेगा। अनुमानित प्रतिदिन अतिरिक्त 10 डंपर एन ट्रेलर 200 कारें और 400 मोटरसाईकल का आवागमन सड़क मार्ग में होगा। विभाग सड़क परस्तावित परियोजना से

होने वाले अतिरिक्त यातायात परिवहन करने में सक्षम है। पर्यावरणीय प्रबंधन योजना विस्तार योजना की पर्यावरण प्रबंधन येाजना को कियान्वयन करने के लिए रूपये 205.45 करोड़ खर्च किये जायेगें। प्रदूषण रोकथाम के लिये प्रतिवर्ष रूपये 32 करोड़ खर्च किये जायेंगें। इकाई संचालन के दौरान पर्यावरण प्रबंधन विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि सभी प्रदूषण नि यंत्रण उपकरण ईटीपी संयंत्र, जल चकण एवं पुर्न उपयोग प्रक्रिया सही ढंग से कार्य करें। पर्यावरण प्रबंधन विभाग प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं वर्षा जल संग्रहण के लिए प्रयासरत रहेगी। पर्यावरण प्रबंधन विभाग परिसर के अंदर और बाहर हरियाली का विकास एवं इकाई परिसर में स्वच्छ कार्य क्षेत्र सुनिश्चित करेगा कम्पनी इस इकाई के नियमित पर्यावरणीय प्रबोधन के आकड़ों को समय–समय पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजेगी तथा इन आकड़ों को कंपनी की वेबसाईट एवं कंपनी गेट पर भी प्रदर्शित करेगी। परियोजना से लाभ प्रस्तावित परियोजना का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होगा। परियोजना से लाभ प्रस्तावित परियोजना का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से क्षेत्र के विकास में अहम योगदान होगा। परियोजना निर्माण के दौरन लगभग 84 महीनों के लिए प्रतिदिन 200 लोगों को कंपनी की आवश्यकतानुसार एवं उनकी योग्यतानुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। परियोजना के संचालन के दौरान कंपनी की आवश्यकतानुसार करीबन 2000 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से उनकी योग्यतानुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इसके अतिरिक्त संयंत्र के अस्थायी कामों के लिए भी आवश्यकतानुसार काफी लोगों को ठेकेदारों के माध्यम से रोजगार प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इससे कहीं अधिक अप्रत्यक्ष रूप से लोगों को व्यापार, यातायात, चिकित्सा एवं अन्य क्षेत्रों में स्वतः रोजगार अवसर उपलब्ध होंगे। हमारी कंपनी अंचल के सामुदायिक विकास कार्यों के लिए पर्यावरण स्वीकृति में दिये एवं शासन के निर्देशानुसार अपना योगदान देती रहेगी। स्थानीय नागरिकों के स्वास्थ्य जांच के लिए समय–समय पर कंपनी द्वारा मेडिकल कैम्प लगाये जायेगें। स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित करने और उनको परियोजना में नियोजित करने के लिए कौशल विकास कार्यक्रम लागू कया जावेगा। इकाई स्थापित होने से स्थानीय नागरिकों के जीवन–स्तर में और अधिक सुधार होगा। सामुदायिक विकास जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, संस्कृति एवं खेल, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण और महिला सशक्तिकरण शामिल हैं इनके उपर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा। जन सुनवाई के दौरान प्राप्त सुझावों को ध्यान में रखते हुये अतिरिक्त बजट का प्रावधान किया जावेगा।

तदोपरांत पीठासीन अधिकारी द्वारा परियोजना से प्रभावित ग्रामीणजनों/परिवार, त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों, जन प्रतिनिधियों, एन.जी.ओ. के पदाधिकारियों, समुदायिक संस्थानों, पत्रकारगणों तथा जन सामान्य से अनुरोध किया कि वे परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव, जनहित से संबंधित ज्वलंत मुद्दों पर अपना सुझाव, विचार, आपत्तियां अन्य कोई तथ्य लिखित या मौखिक में प्रस्तुत करना चाहते है तो सादर आमंत्रित है। यहा सम्पूर्ण कार्यवाही की विडियोग्राफी कराई जा रही है।

आपके द्वारा रखे गये तथ्यों, वक्तव्यों/बातों के अभिलेखन की कार्यवाही की जायेगी जिसे अंत में पढ़कर सुनाया जायेगा तथा आपसे प्राप्त सुझाव, आपत्ति तथा ज्वलंत मुद्दों पर प्रोजेक्ट हेड तथा पर्यावरण सलाहकार द्वारा बिन्दुवार तथ्यात्मक स्पष्टीकरण भी दिया जायेगा। सम्पूर्ण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बरती जायेगी, पुनः अनुरोध किया कि आप जो भी विचार, सुझाव, आपत्ति रखे संक्षिप्त, सारगर्भित तथा तथ्यात्मक रखें ताकि सभी कोई सुनवाई का पर्याप्त अवसर मिले तथा शांति व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 800–900 लोगों का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 182 लोगों ने हस्ताक्षर किये। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जो निम्नानुसार है –

**सर्व श्रीमती/सुश्री/श्री –**

1. देवाशीस मिश्रा, जॉमगांव – पीठासीन अधिकारी एवं समस्त जनता आप लोगो के समक्ष इस जनसुनवाई में कुछ कहने जा रहा हूँ। जिसका खायेंगे उसका अगर काम नहीं करेंगे तो उससे बड़ा नमकहराम दुनिया में कोई नहीं है। हम लोगो के निकट में एम.एस.पी. प्लांट है उस एम.एस.पी. प्लांट से कोई प्रत्यक्ष रूप से कोई अप्रत्यक्ष रूप से करीब 85 प्रतिशत जनता लाभान्वित है। वो काम करके पैसा अर्जन कर रहा है और अपना आजिविका चला रहा है, या कुछ धंधा भी कर रहा है तो घुमफिर के वही का पैसा वहा जा रहा है ऐसे प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष हो सबको लाभ है। कोई बोलेगा एम.एस.पी. है तो मेरे को कोई लाभ नहीं है। अगर हम कोई चिज का उद्योग करेंगे तो हमारा कार्य सफल होगा नहीं तो जंगल का शेर होने से भी पेड़ के निचे सोये रहेगा तो मृग उसके सामने आकर नहीं गिरेगा, इसी प्रकार आप अगर कोशिस करेंगे, कोई भी रूप मेहनत करेंगे तो हमको जरूर एम.एस.पी. से लाभ है और कोई घर में बैठा है कही कुछ नहीं करेगा तो अलग बात है। कई भाई लोग कहते है कि प्लांट रहने से प्रदूषण खराब होता है, स्वास्थ्य बिगड़ता है, जन–धन का नुकशान होता है। जो जन्म लेता है उसका मृत्यु निश्चित होगा और बोलेगा मैं जिया होता लेकिन प्रदूषण खराब होने से 50 साल जिने वाला 40 साल मृत्यु हो गया। विधाता लिख दिया है कि कौन कितना साल जियेगा, कितना साल क्या काम करेगा, कितना साल अच्छा काम करेगा, कितना साल खराब काम करेगा, ये सब भूल विचारधारा है। जो भी होने के लिये होगा वो इससे होगा लेकिन कंपनी से हमको लाभ है। कोई बोलेगा कि कंपनी से बहुत नुकशान होता है, अनेक प्रकार का झमेला होता है इस तरह का कोई बोलता है तो हर चिज में सुख–दुःख, लाभ–हानी हर चिज है लेकिन जो ज्यादा रहेगा उसी को माना जायेगा, ज्यादा लाभ जो है उसको ही लाभ माना जायेगा। कुछ नुकशान है मैं उसको स्वीकार करता हूँ लेकिन ज्यादा मात्रा में ही हमें कंपनी से लाभ है। एम.एस.पी. प्लांट से जितने भी यहा है सबको कंपनी से लाभ ही हो रहा है। किसी के यहा शादी हुआ, कोई फंसन हुआ तो कह देने से उसका संपुर्ण व्यवस्था हो जाता है, लेकिन कहते है कंपनी जिस एरिया में रहता है वहा का नदी नाला का पानी खराब हो जाता है, गंदा हो जाता है यह सही बात है लेकिन गंदा होने से कंपनी पीने का जल घर को पहुचा देता है जब उसको

दरकार पड़ता है, जो हमारे काम के समय में आ गया वो ही महान है। पानी गंदा हो गया तो क्या होता है लेकिन काम होने से वो हमारे घर में पानी पहुचा देता है। हमारे हर दूःख में कंपनी ही साथ देता है। कोरोना जैसे हमारे भारत में प्रवेश किया, लॉकडाउन के समय कंपनी अपने मॉ–बाप जैसे अपने बच्चे का ध्यान रखता है उसी तरह कंपनी सुरक्षा किया। गेट में डॉक्टर रख दिये थे, डेली चेक करके अंदर जाने देते थे, मास्क लगाकर अंदर में डिस्टेंस रखने के लिये बोलते थे ये सब कंपनी हम लोगो का ध्यान दे रही है। हो सकता कंपनी नहीं आता हम लोग इकट्ठा इतने आदमी काम करने नहीं जा पाते। कंपनी हमारा सुरक्षा कर रहे थे। उस समय हम लोगो को खराब लगता थो डेली चेक कर रहे हैं, मास्क पहनो बोलता है लेकिन नहीं हर अच्छा चिज ही कड़वा लगता है, अच्छा बात ही खराब लगता है उसी प्रकार वो हमारे भले के लिये ही कर रहे थे। इसी तरह एम.एस.पी. कंपनी अपने मॉ–बाप की तरह हमेशा सहायता करते है।

2. नेत्रा प्रधान, कुकुरदा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। आज से 21 साल पहले हमारे पूर्वांचल में हमारे बच्चो लोगो को पड़ने जाने में बहुत असुविधा हो रहा था एम.एस.पी. आने पर हमारे बच्चे लोग इंगलिस स्कूल में पढ़ने जा रहे है और इंजिनियरिंग भी पढ़ रहे है, एम.एस.पी. को मैं सत्–सत् धन्यवाद देता हूँ। एम.एस.पी. आने पर हमारे गांव को ध्यान देती है तालाब की सुविधा करती है, पानी की सुविधा करती है, गांव में साफ–सफाई, खेल–कुद और पानी की सुविधा करते है, इसलिये मैं एम. एस.पी. को समर्थन करता हूँ और समर्थन करता रहूंगा, क्योंकि हमारे जो भी बच्चे इंजिनियर पढ़ कर आ रहे है उनको एम.एस.पी. द्वारा काम दिया जा रहा है और सबको जो भी पढ़े–लिखे लड़के है उसको भी काम दे रहे है और मैं एम.एस.पी. को समर्थन करता हूँ।

3. घुराईराम – समस्त जनतागण का स्वागत करता हूँ। सबसे ज्यादा मैं नहीं बोलूंगा जितने लोगो का जमीन जा रहा है और पहले भी गया है वो बहुत कम रेट में गया है। गांव का भोला–भाला किसान है हम लोग और अभी जो जाने वाला है जो हम लोगों का बाप–दादी की जमीन थी उससे ही घर चलता था और वही जमीन जाने वाला है, कुछ किसान का ले लिया है बाकी का ले गये है। और उसी जगह से हमें धान मिलता था लेकिन कंपनी उसे ले लिया है और कम पैसा दिया है। और खेती भी धीरे–धीरे कम पड़ने जा रहा है। हम लोग कंपनी को रोक नहीं पायेंगे। लोगो का स्वास्थ्य ठीक होना चाहिये जिसकी भी जमीन जा रही है वो शासन की तरफ से जो भी कीमत है उसको दिलवाये। पानी नहीं मिलता है सिचाई के लिये। जो किसान है भोला–भाला वो अपने खेत को ही देख कर खुश रहता था। किसी को भी दूःख नहीं पहुचना चाहिये। हम लोग 65–70 वर्ष के है हमको भी कुछ मिलना चाहिये।

4. मोहम्मद अक्तर, कोलाईबहार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि यह कंपनी जब से आया है काबिलियत के अनुसार स्थानीय लोगो को रोजगार दे रखा है और सबके स्वास्थ्य

और शिक्षा के लिये ध्यान दे रहा है और मेरा सुझाव है कि प्लांट के आगे मानकेशरी सरोवर है वो जर्जर स्थिति मे है उसको थोड़ा सुधारा जाये

5. उद्धेश्वर विश्वकर्मा, कोलाईबहाल – आज से 20 साल पहले हमारा एरिया बहुत पिछड़ा हुआ था जब एम. एस.पी. 2002 से चालु हुआ तो 15–20 किलोमीटर के दायरे से यहा प्रत्येक गांव के 50–70 आदमी को कार्य मिला और यहा काम कर रहे है, सभी गांव के 70–80 से लोग यहा काम कर रहे है और सभी को योग्यता अनुसार काम मिल रहा है। जो लोग आदमी कार्यरत है गरीब और शिक्षित एम.एस.पी. आज कम से कम 300–350 बच्चे स्कूल में पढ़ रहे है और क्षेत्र का विभास भी हर गांव में हो रहा है। 03–05 लाख रूपये प्रत्येक गांव में जा रहा है। और सभी को काम योग्यता अनुसार मिल रहा है, और जिस प्रकार मेरे बड़े भाई ने बोला कि जरूरत पड़ने पर सभी गांव में पानी की जरूरत पड़ती है और कंपनी सभी को पानी की व्यवस्था करवाती है। गांव में कुछ होता है तो सभी तरह के काम को एम.एस.पी. द्वारा करवाया जाता है। मेरा सुझाव है कि एम.एस.पी. द्वारा एक अच्छा हास्पिटल हो जाता तो हम लोगो को राहत मिल जाता। जो एम.एस.पी. में आते–जाते है उनके लिये लाईट की व्यवस्था करवा देते तो बहुत अच्छा होता और हमारे क्षेत्र में जो भी है उनके योग्यता अनुसार काम मिल जाये।

6. सरोज कुमार नंदे, भुईयांपाली – पूर्व में हमारे विचारों की जो एम.एस.पी. के बारे में समर्थन किये मैं भी इसका समर्थन करता हूँ। आज की स्थिति में लगभग 03 गुना विस्तार हो रहा है तो यह ध्यान रखे कि इस क्षेत्र में 03 गुना विस्तार के बाद इस क्षेत्र का कैसे विकास करें इस बात पर ध्यान दे। ताकि इस क्षेत्र का विकास हो सके इसमें किसी भी प्रकार की कटौती नहीं करेंगे। यहा पानी की समस्या है, यहा पानी की पर्याप्त व्यवस्था करवाये, किसानों को भी किसी बात की असुविधा नहीं हो इसके लिये प्रयास करें, चिमनी में जाली अच्छे से लगा कर रखे। यहा कई इंजिनियरिंग के छात्र है और जितने भी फ्रेसर है जिनके पास कोई अनुभव नहीं है उनको काम देना चाहिये तभी तो उन्हे अनुभव होगा।

7. जगन्नाथ यादव, जॉमगांव – उद्योग की प्रगति ही राष्ट्र की प्रगति है।

8. विक्रम प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

9. विरेन्द्र कुमार, मनुआपाली – कंपनी आने से हमें बहुत लाभ मिला है। सरकारी एंबुलेंस आने से पहले एम. एस.पी. का एंबुलेंस आ जाता है। यहा गांव बहुत ही विकसित हुआ है अभी हम लोग मोटर–साईकिल से आते है।

10. अशोक प्रधान, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

11. नेहा नागर, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

12. साधना शर्मा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कंपनी का विकास हमारा विकास है।

13. लता, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
14. अनिता प्रधान, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
15. पुष्पा सिंह, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
16. शिवानी प्रधान, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
17. मीरा सोनी, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। विस्तार होने से भविष्य बनता है, जैसे स्कूल, रोजगार है। सबको रोजगार मिलता है।
18. सुरेखा, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
19. सुजाता, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
20. प्रिया नागर, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। हम सब चाहते है कि सबको रोजगार मिले, प्लांट का विस्तार होने से रोजगार मिलेगा। आज–कल महिलाओं को भी कंपनी में रोजगार मिल रहा है।
21. जानकी, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
22. पूजा, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
23. मालती, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
24. कविता, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
25. सविता, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
26. रीतु, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
27. दिनेश, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
28. शकुंतला, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
29. सुनिता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
30. कविता सिंह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
31. सरोज सिंह, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
32. यशोदा, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
33. हर्षिता, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
34. शकुंतला, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
35. रविन्द्र, कोलाईबहार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है साथ ही हमारा जो कोलाईबहाल है उसमें विकास की गति तीव्र होनी चाहिये उसका सुधार जरूरी है। मैं अपने बच्चों को स्कूल लाता हूँ तो बहुत परेशानी होती है उसको सुधार कार्य किया जाये जिससे दुर्घटना भी बहुत कम होगी।

यहा हास्पिटल की भी सुविधा होने से अच्छा होगा। जितने भी बेरोजगार है उनको शिक्षित करने का काम करें। मैं कंपनी के कार्य से बहुत खुश हूँ।

36. कौशल, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है जब भी हम कंपनी के पास जाते है काम के लिये तो वो काम को पुरा करते है।
37. समीर प्रधान, कुर्मापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
38. सूरज प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कंपनी आने से बहुत सुधार हुआ है।
39. अमन गुप्ता, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। हमारे गांव में कुछ भी काम होता है और बोलते है कि हमें सहयोग चाहिये तो वो सहयोग करते है।
40. सुशील, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है जो भी कमी होती है उसको पुरा करते है।
41. हरिन्द्र – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
42. तुषार जेना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कोई भी काम कहते है तो पुरा कर देते है।
43. रेखा, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
44. फूलो, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
45. बेहरा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
46. प्रिया महतो – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
47. नंदिनी सिदार, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
48. प्रतिभा, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
49. अनिता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
50. जयंत प्रधान, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
51. अरूण जॉमगांव – कंपनी मेडिकल कैंप लगवाती है जिससे यहा खुशहाली है। यहा सबको नौकरी मिले।
52. राकेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
53. संदीप, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
54. देवेश, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
55. विरेन्द्र विश्वाल, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
56. धुमा निषाद, जुनाडीह – मैं निवेदन करता हूँ कि 2003 से कंपनी चालू हुआ है लेकिन जांगमाल का विकास नहीं हो रहा है, यहा बिजली नही है, पानी नहीं है।

57. बंशीधर, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

58. सरोज प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

59. लीलावती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

60. राधिका – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

61. रति कुमारी, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

62. संतोषी, जांमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

63. भगीना, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

64. लीला, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। बच्चो को स्कूल जाने में दिक्कत होती है।

65. सुजल प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

66. अभिषेक प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

67. बिज्जू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

68. कैलाश, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

69. रथ, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

70. अनिल, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

71. सुनील, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

72. कबीर, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

73. अनिल, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

74. सुनील, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

75. अजित प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

76. अमित प्रधान, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

77. लक्ष्मण, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

78. संजय, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

79. कुलदीप, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

80. विवेक, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

81. संदीप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

82. जेक्शन शर्मा, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है क्योंकि सब आदमी को रोजगार मिल रहा है।

83. अवतार सिंह, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

84. राजेन्द्र उरांव, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

85. कुशल, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

86. विनोद कुमार – रोड को अच्छा हो जाना चाहिये आने जाने के लिये रोड बनना चाहिये।

87. बसंती, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

88. पुष्पा, जॉमगांव– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

89. गोमती, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

90. रूपाना, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

91. सुमित्रा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

92. श्रीमती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

93. बालमती, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

94. पुष्पा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

95. बालिका, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

96. चुड़ामती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

97. जननी –

98. देवकुमारी, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

99. महेश्वरी, जुनाडीह – रोड बनवा देना।

100. रोशनी, मनुआपाली –

101. परशुराम पटेल, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। यहा बहुत गरीबी का स्थिति था, जंगल का कटाई बहुत होता था। कंपनी आने से सुधार हो गया। 95 प्रषित लकड़ी का कटाई कम हो गया हैं कंपनी अच्छा काम कर रहा है, रात को भी कोई फोन करता है तो आ जाते है।

102. ईश्वर, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। जब भी हम कंपनी के पास जा रहे है प्राप्त हो रहा है।

103. रवि, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

104. शिवम, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

105. विनय, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

106. कमल, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

107. मनोज, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

108. पार्थव, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

109. रविना, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

110. लोकेश, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
111. सुमित, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
112. रवि, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
113. सुनील – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
114. रूपम, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
115. विमल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
116. शंकर चौहान, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
117. अक्षय, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
118. अजय, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
119. मून्ना, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
120. कृष्णा, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
121. मोहित, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
122. रमिता, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
123. पूष्पा, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
124. बिनिता, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
125. रजनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
126. नारायणी, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
127. यशोदा, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
128. सुलोचना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
129. रितिका, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
130. पूजा, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
131. सुलोचना, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
132. उमा, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
133. जगमति – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
134. सुनिता, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
135. संगीता, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
136. सावित्री, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
137. खुशबु – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
138. गौरी, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

139. कविता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

140. पदमिनी, मनुआपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

141. साधना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

142. गौरी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

143. कविता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

144. राधा, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

145. खुशबु – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

146. मोहन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

147. साधराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

148. राजू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

149. वरूण – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

150. पूर्णिमा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

151. दूर्गा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

152. भरत, भूंइयापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

153. लोकेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

154. भागीरथी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

155. धरम, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

156. राजेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

157. मनोहर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

158. बलराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

159. खेलकुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

160. महेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

161. मधुसुदन, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

162. धुमा प्रधान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

163. रविन्द्र – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

164. उज्जवल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

165. सुखीराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

166. दीलिप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

167. ममता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

168. राजकुमार, भुईयांपाली – डस्ट उड़ रहा है, हम लोग काम करते है तो दिक्कत होता है। गर्मी में बहुत दिक्कत जाता है। टैंकर भी नहीं है, रास्ते में टैंकर से पानी दिलवाये। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
169. साधुराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
170. नेहरू, भुईयांपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
171. समीर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
172. संजय, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
173. उरांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
174. शौकीलाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
175. गौरव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
176. चंपा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
177. सावित्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
178. गंगाबाई, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
179. संतोषी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
180. अंजली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
181. गुरबारी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
182. कविता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
183. शशीकला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
184. पार्वती, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
185. माधुरी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
186. दूर्गा, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
187. लीला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
188. ललिता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
189. चिंकी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
190. संतोषी, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
191. सावत्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
192. सविता, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
193. भुवनेश्वरी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
194. आति खडिया – नल का व्यवस्था करे। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

195. प्रिया, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

196. गायत्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

197. रीना, भुईयापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

198. शकुंतला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

199. पदमा, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

200. गौरी, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

201. देवमती, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

202. सुमीत्रा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

203. सुदामा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

204. सुमन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

205. सौदामनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

206. मोनिका, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कंपनी सभी के लिये सहायता कर रही है। सब रोजगार कर रहे है। जो गांव में लड़किया है उनकी भी सहायता करें एवं काम दे।

207. जयलक्ष्मी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

208. चंद्रकांता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

209. देवचरण, भुईयापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

210. बसंत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

211. आकाश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

212. सुरेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

213. छबि – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

214. प्रदीप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

215. कमलेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

216. शरद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

217. प्रमोद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

218. टेकनो बेहरा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

219. कैलाश, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

220. मेघनाथ – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। हम यहा नौकरी के लिये आये है यहा रास्ता को थोडा ध्यान दे।

221. पंचानंद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

222. विक्रम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

223. सुखराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

224. दीनेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

225. शरद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

226. नेतराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

227. धर्मराज – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

228. राजेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

229. बलराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

230. सुशील – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

231. गोविंद, धरमपुर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

232. संतराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

233. विष्णु – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कंपनी यहा स्कूल भी खोल दिया है सब सुविधा दिया है।

234. दिनेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

235. निलमणी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

236. कमल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

237. मनोज, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

238. उमेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

239. विजय कुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

240. दयानंद, जुनाडीह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

241. राजीव, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

242. रघुराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

243. यशोदा, – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। उद्योग की प्रगति सबकी प्रगति है।

244. पूजा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

245. अंजू, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

246. राजेश्वरी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

247. सोनिया – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

248. मुनावी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

249. सावित्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

250. भोली निषाद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

251. सकुंतला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

252. रमशिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

253. लक्ष्मी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

254. गौरव बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

255. सुलोचना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

256. तुलासेठ – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

257. गायत्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

258. बसंती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

259. रतनामती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

260. सुकांती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

261. जसवंती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

262. बहसमति – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

263. संतोषी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

264. उर्मिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

265. रानी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

266. प्रेमसिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

267. जमुना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

268. समारी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

269. लक्ष्मी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

270. सोना राठिया – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

271. गोमती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

272. गीता, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

273. सोनी चौहान, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

274. पुष्पा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

275. सावित्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

276. पदमा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

277. रंजना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

278. श्यामकुमारी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

279. पार्वती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

280. मेघना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

281. सरिता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

282. चंद्रमा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

283. जयकुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

284. अभिषेक – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

285. देवेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

286. राजेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

287. रजत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

288. श्रीराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

289. तुलाराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

290. गोविंद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

291. शिवा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

292. रूपेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

293. सोभा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

294. वर्षा, छुहीपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

295. सफेदबाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

296. सोनी चौहान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

297. सोना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

298. मिटठू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

299. रागिनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

300. मालती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

301. दीपिका – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

302. कुशुम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

303. गायत्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

304. सरोजनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

305. गीता, नावापारा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

306. मेनका – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

307. पदमिनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

308. नेहा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

309. आरती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

310. सरोजनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

311. संगीता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

312. लाल बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

313. कुमती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

314. कमला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

315. सुमती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

316. सुलोचना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

317. विमला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

318. रानी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

319. चंद्रमा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

320. सुमित्रा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

321. अशोक – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

322. दीपक – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

323. जानकी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

324. आरती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

325. सरोजनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

326. रोशनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

327. दिपशिखा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

328. लक्ष्मीन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

329. सूरूज बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

330. गोमती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

331. बरत बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

332. कांति पटेल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

333. सुमित्रा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

334. कुंति – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

335. विनोद साहू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

336. बलराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

337. राज – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

338. जावेद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

339. चेतराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

340. कमलेश चौहान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

341. आजाद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

342. कुलदिप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

343. सुबल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

344. गुड्डू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

345. तेजराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

346. मुरली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। सी.एस.आर. फंद का उपयोग करें।

347. शुभम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

348. किरीत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

349. सागर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

350. विकास – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

351. जयंत बहिदार, रायगढ़ – आप लोगो ने यहा सी.सी. टी.वी. कैमरा लगा है, ये जायेगा एन.जी.टी. में इसको मिटाईयेगा मत। अभी आप लोगो ने सुना कि झारसुगुढ़ा जिला उड़ीसा से गांव वाले बोले है ये सब गांव का मैं लिस्ट निकालुंगा, सुचना के अधिकार में गांव का नाम और उड़ीसा राज्य लिखना आप लोग नहीं तो ये मामला जायेगा उपर। मैने सुचना के अधिकारी से पर्यावरण विभाग से जानकारी निकाला है कि वर्तमान में एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड के पास कितनी जमीन है पंजीकृत तो उन्होने बताया है 125.87 एकड़ जमीन है, ये पर्यावरण विभाग ने दिया है अक्टूबर माह में 2021 में, और उसमें भी उन्होने बताया है कि किसी साकेत अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, एम.के. अग्रवाल इत्यादि लोगो का जो निजी जमीन है उसको भी जोड़क करके 125 एकड़ जमीन बताया है। जबकि ये प्लांट चल रहा है अगर भारत सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार की अनुमति से पर्यावरण विभाग के संरक्षण में तो ये निजी आदमी का जमीन कंपनी कैसे कब्जा है, कैसे काबिज है, ऐसा नहीं हो सकता। परन्तु आप लोगो ने कार्यवाही नहीं किया। कंपनी ने ई.आई.ए. रिपोर्ट में 2021 और अभी 2022 में जो रिपोर्ट दिया है वो एक ही है। उसमें उन्होने बताया है कि जॉमगांव में 86.13 एकड़ और मनुआपाली में 82.88 एकड़ इस तरह से 169 एकड़ जमीन उनके प्लांट में स्थापित है ये बताया है जबकि पर्यावरण विभाग से जो जानकारी हमने लिया है उसमें 125 एकड़ के लगभग बताया है और उसमें भी निजी लोगो का जमीन है तो हमारा यह कहना है कि जब उसके पास

उतनी जमीन ही नहीं है जितने में वो काबिज है तो ये अवैध होता है, इसलिये इस जनसुनवाई को यही स्थगित किया जाये और ताला बंद किया जाये। आपको मैं बताना चाहता हूँ पीठासीन अधिकारी महोदय इस फैक्ट्री में इन्होने जितनी जमीन काबिज किया है इनके पास जो जमीन है जिसमें जॉमगांव में केवल 1.13 एकड़ ही डाईवर्टेड है और 10.17 एकड़ जमीन ही मनुआपाली में डाईवर्टेड जमीन है इस तरह से 12 एकड़ जमीन ही डाईवर्टेड है और बाकि कृषि भूमि है। ये आपका रिकार्ड कहता है, तहसील आफिस आपका विभाग कहता है। मेरे पास रिकार्ड है, अब आप इस कंपनी को क्या चलने देंगे, इसको पर्यावरण स्वीकृति देना चाहेंगे, आज इस लोकसुनवाई को स्थगित कीजिये और और शासन को लिखे की कारखाना का बंद किया जाये, अवैध रूप से ये कारखाना चल रहा है, कृषि भूमि में चल रहा है, निजी लोगो के नाम पर है वो चल रहा है इतनी गलतिया है उसके बाद भी प्रशासन मिला हुआ है फैक्ट्री से। आप आज देख रहे है सी.सी.टी.वी. कैमरे की रिपोर्ट है हम बनवायेंगे, आप लोग अभी जमा कर रहे है एक ही आदमी के हाथ का लिखा हुआ है कि मैं एम.एस.पी. के गतिविधि के साथ सामिल हूँ यही लिखा है अभी इसको जमा करिये इसकी जॉच होगी। मैं हटने वाला नहीं हूँ आपकी पुलिस मेरे को हटा ले। एक पुलिस वाला धक्का मारकर हटा सकता है बस उतना ही करवाईये आप ज्यादा नहीं लगेगा। मेरा यह कहना है हल्ला करेंगे तो कैसे होगा, 1000 पुलिस लेकर आओ आज एस.पी. आफिस का घेराव करूंगा, तुम्हारे एस.पी. को देखुंगा, क्या मजाक बनाकर रखे हो, तेरे कलेक्टर का आज विरोध करूंगा, उसके चैंबर में जाउंगा। पीठासीन अधिकारी महोदय इस कंपनी ने भू–अर्जन के लिये शासन को पत्र लिखा है 73.21 एकड़ जमीन के भू–अर्जन के लिये आवेदन दिया है और कंपनी ने अपने ई.आई.ए. रिपोर्ट में भी बताया है कि हम 73 एकड़ जमीन आगे खरिदेंगे। आपको मैं बताना चाहूंगा इन्होने 73 एकड़ जमीन भू–अर्जन करने के लिये शासन को लिखा, शासन ने उद्योग संचालनालय को लिखा है और मैं आपका बता दूं ये कौन का जमीन भू–अर्जन के लिये मांग रहे है उसमें आदिवासी की जमीन है, उसमें सरकारी जमीन है, जंगल की जमीन है। आदिवासी की जमीन को आप कैसे अर्जन करलोगे। और इसकी जो प्लांट है उसमें भी आदिवासी की जमीन है, जॉ करवाया है आपने, जनसुनवाई करवाने के लिये बैठ गये। उड़ीसा इस फैक्ट्री से 01 किलोमीटर की दूरी पर भी नहीं है इस कंपनी की जमीन, सीमा और इसके 02 किलोमीटर में उड़ीसा की आबादी बस्ती चालु हो जाती है, क्या उड़ीसा में जनसुनवाई करवाया, क्या उड़ीसा में इन्होने पर्यावरणीय अध्ययन किया उसकी रिपोर्ट कहा है पर्यावरणीय अध्ययन का, अगर राज्य बदलता है, जिला बदलता है तो जनसुनवाई वहा भी होती है ये नोट करेंगे, जनसुनवाई को स्थगित करने के लिये ये पर्याप्त कारण है। पर्यावरण विभाग ने जॉच किया है और जॉच में बताया है कि इनका जो बैग फिल्टर से संबद्ध जो चिमनी है वो 30 मीटर की ऊचाई से कम है, ये अपराध है और आपको मैं बताता हूँ आस–पास के आधा दर्जन गांव में ये लोग पलाई ऐश का जंगल में, खेत की जमीन में, नाले में, नदी में पलाई ऐश फेंक रहे है जॉच करा लीजिये। प्रदूषण विभाग

ने इसकी जॉच करके इसकी कमियां पाई है, क्यों कार्यवाही नहीं किये, इस कंपनी का बिजली लाईन भी काटा गया है, क्यों फैक्ट्री बंद नहीं किया गया, ये तमाम मुद्दे आगे जायेंगे। इन्होने ये जो प्लांट है जिसकी जनसुनवाई करा रहे है एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का और एम.एस.पी. स्पंज ऑयरन अलग–अलग प्लांट है इनका इन दोनो के लिये कुर नाला से एक ही जलाशय से पानी लिया गया है और छत्तीसगढ़ सरकार ने जल संसाधन विभाग में 02 अलग–अलग इंटेक व्हेल और 02 पाईप लाईन के लिये बोला है, परन्तु ये 01 ही पाईप लाईन से 01 ही इनके पास जल संग्रहण के लिये तालाब है और 01 ही इंटेक व्हेल से, 01 ही पाईप लाईन से दोनो फैक्ट्री में पानी का उपयोग कर रहे है। मैने पहले भी बताया कि आस–पास के गांव में फ्लाई ऐश को डाल रहे है इसकी शिकायत भी हुई है पर्यावरण कार्यालय में, आदिवासी की जमीन पर भी कब्जा किये है, गांव के किसानों की जमीन पर कब्जा किये है। ऐसा हल्ला कर रहे है और मैं बोलु, विधानसभा में भी उपर ले जाते है वहा हल्ला नहीं करने देते और यहा कितने लोगो को दारू पिलाकर लाये है कलेक्टर महोदय। एम.एस.पी. प्लांट की जितनी जमीन है उसकी जॉच करवाईये, जितनी जमीन पर फैक्ट्री स्थापित है, डाईवर्सन नहीं कराया गया, गैर कृषि की बात कर रहे है फिर भी डाईवर्सन नहीं कराया गया, मजदुरों का शोषड़ हो रहा है। पुरा जंगल इसके फ्लाई ऐश और डस्ट से जंगल नष्ट हो रहा है, खेती–किसानी नष्ट हो रही है और पुरे क्षेत्र की आबादी का स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ रहा है इसके प्रदूषण से, पुरे क्षेत्र में डस्ट फैला हुआ है। ये जितने हल्ला कर रहे है जिला कलेक्टर का संरक्षण कर रहे है, कल जब मामला एन.जी.टी. में जायेगा, हाई कोर्ट में जायेगा तो इनकी ताकत हम देखेंगे, आपकी भी ताकत देखेंगे। पुरे प्लांट का इस आधार पर जब हमने रखा है हम इसके विस्तार का विरोध करते है, इस फैक्ट्री को बंद करना चाहिये, समुचित रूप से बंद करना चाहिये और जॉच करके कार्यवाही करना चाहिये और इसके मालिक को गिरप्तार करवाना चाहिये ये अपराध किया है।

352. अजय – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

353. अमित कुमार गुप्ता, कुकुरदा – मैं डिप्लोमा इंजिनियर हूॅ। पिछले बार मैने कलेक्टर महोदय, अपर कलेक्टर महोदय को आवेदन दिया था कि एम.एस.पी. द्वारा कोई रोजगार नहीं दिया जा रहा है। जब कोविड चल रहा था उस समय इसको इंप्लाई का जरूरत था उस समय हमे नहीं लिया गया। ये बोलते है हम गांव के क्षेत्र का विकास कर रहे है, क्या विकास कर रहे है? ये अपना विकास कर रहे है। जब प्लांट 2002 में खुला था तो स्कार्पियो में आते थे अभी मर्सरिज में आते है, किसका विकास कर रहे है ये? हमारा विकास कर रहे है कि अपना विकास कर रहे है? समुद्र में हम कुछ निनके जैसे विरोध करने वाले और बाकी समर्थन करने वाले, सच्चाई को कोई नहीं दबा सकता। सच को दबाने वाले हजारो रहते है। ये लोग अपना भविष्य को बर्बाद कर रहे है और अपने बच्चों का भी भविष्य बर्बाद कर रहे है। हम 10 लोगो को नौकरी नहीं दी जा रही है लेकिन उन 10 जीवों का जो ध्यान रखा जाये ये लोग जिस जगह पेड़ से उसको काट

कर डस्ट का पहाड़ बना दिये है। सबसे पहले क्षेत्रीय लोगो को रोजगार दीजिये हम इसका विरोध नहीं कर रहे है। यहा जो जंगल में डस्ट फेक देते है उसका विरोध कर रहे है।

354. समारी बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

355. शांति बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

356. रामबाई, कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

357. सुरेन्द्री चौहान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

358. पंकजनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

359. तेजश्वी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

360. गीता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

361. अंजू प्रधान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

362. गीता यादव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

363. मनभरी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

364. सुमति – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

365. रामकुमारी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

366. दंगो बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

367. ज्योत्सना राठिया – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

368. सरस्वती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

369. श्रीमती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

370. बसंती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

371. आशिष, कुकुरदा – मैं एसम.एस.पी. विस्तार का विरोध करता हूँ जो पहले से है उसका विरोध नहीं करता हूँ। मैं 2019 में गया तो बोले तु तो अभी अभी पास हुआ है और 2020 में कोरोनाकाल हो गया और अभी जा रहा हूँ तो बोले 2019 में क्यों नहीं आये। यहा लोकल लोगो को कम पेमेंट दिया जाता है और बाहरी लोगो को ज्यादा पेमेंट दिया जाता है। यहा पर 12 घंटे का ड्यूटी दिया जाता है जबकि 8 घंटे का प्रावधान है।

372. सौदामनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

373. सुमीत्रा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

374. मुक्तरा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

375. बिमला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

376. माधवी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

377. सुकांती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

378. सुखमनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

379. परमशिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

380. विनोदनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

381. हलधर कुमार, बेहरापाली – एम.एस.पी. जो क्षमता विस्तार का लोक सुनवाई जो है उसमें बहुत लोगो ने समर्थन किया और विरोध भी किया। एम.एस.पी. प्लांट में लगभग 5000 काम करने वाले है जिनका रोजगार चल रहा है और बाहरी जो फल वाले आदि लोग है उनका परवरिश हो रहा है और बाहरी व्यक्ति आधा घंटा बोल कर जा रहा है। जो विरोध कर रहे है क्या इतने लोगो को भरण–पोषण दे सकते है। हम लोगो के गाव में कुछ भी होता है तो छुट्टी मांग लेते है और बाहरी व्यक्ति अपना घर–परिवार छोड़ कर काम करने के लिये आये है। यहा सबका धंध कंपनी की वजह से चल रहा है। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

382. सुभाष कुमार, सकरबोगा – आज हमारे क्षेत्र में जनसुनवाई का तारीख तय किया गया और हमने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कंपनी सभी लोगो के लिये शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक जो भी गांव में मूलभूत सुविधा है वो हमने पुछा क्या ये काम सी.एस.आर. मद से हो सकता है तो उन्होने कहा कि हो सकता है। जहा विकास होता है वहा विनाश भी होता है। इस क्षेत्र में कंपनी हमेशा सहयोग प्रदान करते है। इस क्षेत्र के विकास को नजर रखते हुये विकास कार्य करें। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

383. दिव्या – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। हमारे गांव में बस चले इसके बारे में बोलती है।

384. पार्वती – दारू भट्ठी को हटाने के लिये बोल रही है।

385. बेलपति – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

386. भगवती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

387. रागिनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

388. बबीता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

389. सुनईया प्रधान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

390. दीपिका – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

391. पोरा बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

392. नीलमणी – विरोध है। जो डस्ट डंप करते है क्या उसका पेपर है। हमारे पास जमीन रहते हुये भी हम भाड़े के घर में रहते है।

(26)

393. टोप्पो – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

394. चमार सिंह – 200 रूपया मिलता है कंपनी से हम क्या करेंगे।

395. दीपक – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

396. नकुल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

397. नारद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

398. सजीत, उड़ीसा – इसके 10 किलोमीट के रेडियस में हमारा भी गांव उड़ीसा में जाता है हमारे जो उड़ीका को जो है उसमें इनवायरमेंट इंपेक्ट किया जाये। हमारे एरिया में लोगो का जीना हराम हो गया है।

399. कमला साहू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

400. गुजराती बाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

401. पार्वती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

402. सरस्वती मालाकार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

403. निर्मला मालाकार, लोईंग – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

404. बिमला, लोईंग – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

405. उषा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

406. सुषमा, लोईंग – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

407. भारती, लोईंग – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

408. दूर्गावती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

409. फुलबाई – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

410. संध्या – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

411. महेश्वरी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

412. कविता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

413. पदमा, सियापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

414. संजय – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

415. राधेश्याम शर्मा, रायगढ़ – आज के विस्तार की जो जनसुनवाई है इसका मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ ये जनसुनवाई नियम विरूद्ध है। पर्यावरण मंत्रालय जो नियम बनाये हुये है जनसुनवाई के लिये उसका ऐसा कोई भी बिन्दु नहीं है जिसका परिपालन हुआ हो और आज ये जनसुनवाई हो रही है। मैं पीठासीन अधिकारी महोदय को देखा कि कुछ बच्चो को कहा उन्होने जाईये आगे जाईये क्योंकि वे कम उम्र के थे। ये बात गौर करने वाली है कि उन बच्चो के हाथ में ऐसे पाम्प्लेट कागज लिखा हुआ है और ऐसे 90 प्रतिशत लोगो के हाथ में ऐसा समर्थन का कागज लिखा हुआ मिला, इन कागजो को कौन लिखवा रहा है

कौन लिख रहा है, क्या जिला प्रशासन, पीठासीन अधिकारी महोदय और कलेक्टर महोदय ऐसे लिखित समर्थन के दस्तावेज बटवा रहे है, एक जमीन में पड़ा हुआ दस्तावेज मुझे मिला है और अभी सैकड़ो की संख्या में, हजारो की संख्या में वैसे ही पेपर जमा है यहा समर्थन में। उसकी राईटिंग का मिलान किया जाये तो वो सिर्फ 04–05 व्यक्तियों का होगा। पीठासीन अधिकारी महोदय आज की इस जनसुनवाई में 25 मार्च को एम.एस.पी. के विस्तार की जनसुनवाई में जितने भी पेपर है और जिन–जिन व्यक्तियों ने लिखा है उनसे बयान भी लिया जाये कि ये उनके लिखित है, उन्होने ये दस्तावेज लिखा है और नहीं लिखा है तो लोकतंत्र में जनमत संग्रहण की प्रक्रिया को बाधित करने के लिये एम.एस.पी. प्रबंधन ने सुनियोजित षड़यंत्र कर गांव वालों को अपने पक्ष में प्रलोभन देकर इन कागजों को संपादित करवाया है और आज इस जनसुनवाई में जमा किया गया है। अभी हमारे उड़ीसा से एक मित्र आये थे जो सरपंच है। पीठासीन अधिकारी महोदय आप आई.ए.एस. है आज जिस पद की गरीमा बड़ा रहे है उस पद में आपका दायित्व बनता है कि क्यों ये जनसुनवाई विधिसम्मत है, क्या ये नियमों के तहत् करवाई जा रही है और आप इसको करवाने में स्वयं विद्धमान है। एक कलेक्टर, पीठासीन अधिकारी न्यायिक पद पर है आप, आप अपने पद का दुरूपयोग कैसे कर रहे है, अगर ये अंतराज्यीय सीमा से लगा हुआ है, प्लांट है तो जनसुनवाई की तिथि उस राज्य में, उड़ीसा की सीमा यहा से 01–02 किलोमीटर के अंदर में है आपको अधिसूचना जारी कर इसकी 01 जनसुनवाई सुचना प्रकाशन में उड़ीसा में भी निश्चित होनी थी जो नहीं किया गया है, ऐसा क्यों और पीठासीन अधिकारी महोदय आप कैसे जनसुनवाई करवा रहे है, क्या आप जनसुनवाई के लिये जो निर्धारित मापदण्ड है जो कानुन बने हुये है उसका पालन ना करते हुये आप अपने पद का दुरूपयोग क्यों कर रहे है। मैं भीड़ में देखा आप सोशल डिस्टेसिंग के लिये प्रार्थना कर रहे है, इतने हजार लोगो को आप कैसे सोशल डिस्टेसिंग का पालन करवायेंगे, जब जनसुनवाई आप निर्धारित कर रहे है तो उसके लिये आपको सुनियोजित ढंग से ये सुनिश्चित किया जाना चाहिये कि अगर महामारी अधिनियम का पालन करवाना प्रशासन का कर्तव्य है तो क्या इतनी भीड़ यहा इकट्ठी होनी चाहिये और इती भीड़ को क्या रोकने के लिये जिला प्रशासन के पास बल नहीं है। ये रायगढ़ जिले का मात्र एक जनसुनवाई है जिसमें इतनी अधिक भीड़ कागज हाथ में लिये हुवे है। एक ही व्यक्ति के हस्ताक्षर से, एक ही व्यक्ति के द्वारा लिखा हुआ कागजों को समर्थन में यहा दिया जा रहा है। क्या ये चार सौ बीसी, धोखा–धड़ी संयंत्र नहीं है? एम.एस.पी. की जनसुनवाई ये तीसरा मौका है, एक मौके पर रायगढ़ कलेक्टर भीम सिंह ने अपने पद का दुरूपयोग कर उसे निरस्त कर दिया, उसका कारण यह था कि बहुत सारी खामिया थी और कंपनी को सुधार करने के लिये भीम सिंह जी ने अवसर दिया कि आप इसमें सुधार करीये। ऐसा कलेक्टर जो विगत 28 माह में 28 जनसुनवाई करवा चुके है और वो भी पूर्णतः नियम विरूद्ध और महामारी अधिनियम जहां प्रभावी रुप है, जिस क्षेत्र में कोरोना का संक्रमण ज्यादा रुप है वहा ज्यादा जनसुनवाईया हुई है, और

पीठासीन अधिकारी महोदय कलेक्टर के निर्देश का आप आंख मुंद करके पालन कर रहे है तो आपका कर्तव्य बनता है कि अपने कर्तव्य के दायित्व करते हुये अगर यह अंतराज्यीय सीमा में है प्लांट तो यहा एक ही अधिसूचना में उड़ीसा में और रायगढ़ जिले में अलग–अलग तिथियों में जनसुनवाई एक ही अधिसूचना में जारी होनी चाहिये थी जो नहीं हुई है, इसलिये ये जनसुनवाई पूर्ण रूप से अवैधानिक है। मैं पीठासीन अधिकारी महोदय से निवेदन करूंगा कि तत्काल अभी निर्णय ले और इस जनसुनवाई के निरस्त करें। पीठासीन अधिकारी महोदय का काम खाली कुछ भी बोले, कैसे भी बात आये, संवैधानिक बात आये, नियम कानुन को लेकर के बात आये तो उसको यही पर निर्णय करना है। खाली जनसुनवाई को संपूर्ण करवा कर भेजना नहीं है, और अगर मैं यह अपील कर रहा हूँ तो इस जनता के सामने पीठासीन अधिकारी महोदय यह जवाब देदे कि अंतराज्यीय सीमा में जनसुनवाई की काई अलग से प्रक्रिया या कोई विधान देश में बन गया हो, पर्यावरण मंत्रालय में बन गया हो तो इसकी जानकारी इस देश के नागरिकों को नहीं है, पीठासीन अधिकारी अधिकारी महोदय को है। पीठासीन अधिकारी महोदय मैं आपसे जानना चाहूंगा ये जनमत संग्रह की प्रक्रिया है कि ये जनसुनवाई के लिये आपने आप पीठासीन अधिकारी है, उड़ीसा में किस तिथि को आप जनसुनवाई करवा रहे है। इसकी अधिसूचना एक साथ प्रकाशित होनी चाहिये थी जिसे नहीं किया गया फिर भी आप जनसुनवाई करवा रहे है क्यो? आप हल्ला को शांत करवाने के लिये माईक का उपयोग करते है मैं आपसे संवैधानिक प्रश्न पुछ रहा हूँ, नितिग्रस्त प्रश्न पुछ रहा हूँ, विधि विधान के तहत प्रश्न पुछ रहा हूँ आप बताईये कि अंतराज्यीय सीमा में बिना उस राज्य में अधिसूचना जारी किये उसके प्रभाव क्षेत्र में 10 किलोमीटर के रेडियस में जो भी गांव आते है और उस संबंधित राज्य के जिले में अधिसुचना का प्रकाशन होना चाहिये। इसके साथ ही अंतराज्यीय सीमा से लगे हुये राज्य में उनके ग्रामपंचायतो से अनुमति ग्रामसभा की अनुमति तो क्या यहा बिना उड़ीसा के ग्रामपंचायतों को आपने सुचना दिये बिना ये जनसुनवाई करवा रहे है और अगर करवा रहे है तो आप भी अपराधी है, पर्यावरण अधिकारी भी अपराधी है, एम.एस.पी. प्लांट के निदेशक मण्डल के सभी सदस्य अपराधी है और वह कंसलटेंट कंपनी जिसने 21 में पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन किया था वो 22 में भी किया है। 22 को किस तिथि में, किस गांव में, वहा का नमुना एकत्रित किया गया। जल का, वायु का, मिट्टी का इन तीनों का नमुना इकट्ठा करना होता है और उस ग्रामपंचायत को जानकारी होती है जिससे अनुमति लेनी पड़ती है कि हम इस कंपनी के लिये पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन के आंकड़ो के लिये आपके गांव से ये–ये नमुने परीक्षण के लिये हम ले रहे है, तो क्या जनवरी से लेकर मार्च इस तीन महिने के अंदर में सारी प्रक्रिया पुरी कर ली गई, जी नहीं। आपके हाथ में 21 का भी ई.आई.ए. रिपोर्ट है और 22 का भी ई.आई.ए. रिपोर्ट है उसमें ऐसा कौन सा बिन्दु में फर्क है मेरे को बताईये, सिर्फ तिथि को छोड़कर। तो उस कंसलटेंट कंपनी ने ये जो दुसाहस किया है कि दोनो बार ई.आई.ए. रिपोर्ट जो जनसुनवाई की प्रक्रिया है उस प्रक्रिया के अंतर्गत पर्यावरण प्रभाव

मूल्यांकन किया गया है। मैं एक नागरिक होने के नाते आपको आदेशित करता हूँ कि आप अपने कर्तव्य का निर्वहन करें। भीमसिंह अपराधी है रायगढ़ कलेक्टर 02 बार उसका एफ.आई.आर. मैं इसी जनसुनवाई के नाम से करवा चुका हूँ। पुलिस मजबुर है, पुलिस प्रशासन के बड़े अधिकारी भुपेश बघेल के दबाव में काम कर रहे है और छत्तीसगढ़ के जन–जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे है। जब प्रदूषण का माप बढ़ता है तब कोई भुपेश बघेल नहीं बचायेगा, प्रधानमंत्री इस देश को नहीं बचायेगा। इस देश को बचाने के लिये आप जैसे प्रशासनिक अधिकारियों को न्यायिक पद पर हमने बैठाया है वेतन देकर और आप अपने पद का दुरूपयोग कर रहे है आप लोगो के बेशर्मियत का हद नहीं है कि आप नियम जानते हुये भी जनसुनवाई कर रहे है, क्यो?, कितने में बिके है आप?, कंपनी ने आपको कितने में खरीदा है? अभी वक्त गया नहीं है ऐसा भीमसिंह कलेक्टर मत सोचे की उसको हथकड़ी नहीं लगेगी, अभी भी समय है और आपके पास भी समय है कि जिन पर अपराध पंजीबद्ध हो रहा है उनमे पीठासीन अधिकारी महोदय आपके भी नाम है, पर्यावरण अधिकारी महोदय इसमें आपका भी नाम है, उन कंपनियों के भी आला कमान के नाम है, इसका भी अपराधिक प्रकरण दर्ज होगा और सबका एक साथ न्यायिक प्रक्रिया में कार्यवाही जरूर होगी, कम्प्लेन फाईल होगा और आप लोगो के लिये जो प्रावधान बना है उसके तहत आपको हथकड़ी लगेगी। अभी भी आपको समझ होना चाहिये। आप यहा निर्णय ले, आपको यहा मौन रहकर जनसुनवाई संपन्न करवाने के लिये नहीं भेजा गया है। आप अपने न्यायिक पद के साथ न्याय नहीं कर रहे है, जनता के साथ न्याय नहीं कर रहे है, जीवन के साथ आप खिलवाड़ कर रहे है। शांति पूर्वक और स्वच्छ वातावरण में हमें साथ–सुधरे वातावरण में सांस लेने का अधिकार है, यह हमारा संवैधानिक अधिकार है। आप यहा से उठ कर हमारे साथ पदयात्रा करीये, 10 किलोमीटर के रेडियस में चलिये आपको यहा के पड़–पौधे बता देंगे, यहा की गरीब जनता जो पैसा लेकर समर्थन देने के लिये आई है ऐसे लिखित कागजो के साथ में आप मेरे साथ चलिये, वो पेड़–पौधे आपको बतायेंगे कि यहा के पर्यावरण की क्या स्थिति है, तो जिस कंपनी ने 03 महिने से पहले दुबारा पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आपको जमा कर दिया। हाई कोर्ट का कलंक सीमा जब समाप्त हो गई तो आप पुनः आ गये। पीठासीन अधिकारी महोदय आप जनसुनवाई कर रहे है तो देश में एक कमेटी है जो ये जॉच करती है कि ई.आई.ए. रिपोर्ट सही मापदण्डों में बना है कि नहीं। यहा प्रदेश में पर्यावरण सचिव से लेकरके वह कमेटी और जिले में जो पर्यावरण अधिकारी है और उनके विभाग के जो सहयोगी है सभी अपराध कर रहे है और इन गांव वालों को इस अवैध जनसुनवाई के लिये अपने संबंधित थाने में कलेक्टर और पीठासीन अधिकारी महोदय के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करनी चाहिये और जिनको–जिनको रिपोर्ट दर्ज करवाना है आपके गांव आउंगा मैं, अगर जागरूक कम है आप लोग तो निराश मत होईये, ऐसे अधिकारियों को आप हथकड़ी लगवा सकते है, इनकी बेशर्मी काम नहीं आयेगी, इनको एम. एसपी. प्लांट का प्रबंधन नहीं बचा पायेगा। पीठासीन अधिकारी महोदय ई.आई.ए. की अधिसूचना 14

सितम्बर 2006 के अंतर्गत आप इस जनसुनवाई करवा रहे है और अंतराज्यीय सीमा से लगा हुआ, उड़ीसा से लगा हुआ ये प्लांट है और उड़ीसा के लिये अधिसूचना जारी नहीं की गई है, उसके लिये तिथि निर्धारित नहीं की गई है, 10 किलोमीटर के परिक्षेत्र में, उड़ीसा के संबंधित गांव में, उनके ग्रामपंचायतो में अगर कोई सुचना नहीं पहुचाई गई है तो यह जनसुनवाई पूर्ण रूप से अवैध है। मैं बात रख रहा हूँ लेकिन आपको कार्यवाही करना है खाली सुनना नहीं है, कि आप मेरे को निर्देशित कर रहे है, मैं एक नागरिक होने के नाते अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा हूँ, आप अपने पद का दुरूपयोग क्यों कर रहे है। आप अपने पद का निर्वहन करीये। प्रशासनीक सेवा में जिन सेवा शर्तो पर आपने हस्ताक्षर किया है उसके तहत आपको काम करना है। इस लोकतंत्र में जनता मालिक है और प्रशासनिक अधिकारी सेवक, नौकर, आप नौकर होकर के ऐसा क्यों कर रहे है क्या आपको जेल जाने का शौक है। आप दादागिरी करना चाहते है इस पुलिस बल के साथ कि मैं निर्णय नहीं लूंगा, आप निर्णय नहीं लेंगे तो आपके दण्ड के लिये भी हमारे पास प्रावधान है। पीठासीन अधिकारी महोदय यहा शांति व्यवस्था की जिम्मेदारी भी आपकी है अगर आप इसको नियंत्रित नहीं कर सकते तो कुर्सी छोड़ीये, भगीये यहा से। मैं जब तक हल्ला होगा नहीं बोलूंगा। आप खाली सुनने के लिये बैठे है क्या? पीठासीन अधिकारी महोदय। अगर मैं इस लोकतंत्र में इस जनमत संग्रह की प्रक्रिया में हूँ और अगर इस ढंग से होता होगा तो ये बाधित किया जाना है। आप हल्ला करने वालों के उपर कार्यवाही क्यों नहीं करवाते, इस मंच में आदमी शराब पी कर खड़ा है आपकी क्या व्यवस्था है। पीठासीन अधिकारी महोदय मैं ज्यादा वक्त नहीं लुंगा। मैं आपसे इतना ही आग्रह करना चाहूंगा कि इस अंतराज्यीय सीमा पर बिना अधिसूचना के, बिना प्रकाशन के प्रभावित क्षेत्रों में, उड़ीसा के ग्रामपंचायतों में आपने अधिसूचना जारी नहीं किया है। पीठासीन अधिकारी महोदय आप अपने कर्तव्यों का निर्वहन नहीं कर रहे है और आप अपने पद का दुरूपयोग कर रहे है। पीठासीन अधिकारी महोदय आप पूर्व में भी निर्णय नहीं ले सके है, और अपने पद का दुरूपयोग किये है, इस जनसुनवाई में कलेक्टर साहब के अलावा, मुख्य रूप से आप चार सौ बीसी षड़यंत्र करने, झुठा दस्तावेज को जनता में प्रसारित करने के अपराध के दोषी है और आप जिन सेवा में आये है और सेवा शर्तो का शायद भुल गये है कल मैं आपको डाक से भिजवाउंगा कि जिस अनुबंध पर आप जनता की सेवा जिन शर्तो पर करने का निर्णय लेकर आये थे आप उसका दुरूपयोग कर रहे है, शायद भुल गये है उसे याद दिलाने के लिये रजिस्टर्ड डाक से भेजुंगा। मैं इस क्षेत्र की जनता से अपिल करूंगा कि ये फर्जी जनसुनवाई जो हो रही है उसके लिये अगर आप 01 प्रतिशत जनता भी ईमानदार है जीवन के लिये लड़ना चाहते है तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध करवाये मैं आपके क्षेत्र में आउंगा, आपके गांव में आउंगा। इस जनसुनवाई का मैं पूर्ण रूप से विरोध करता हूँ और इस क्षेत्र की जनता से निवेदन करता हूँ कि जागरूकता के साथ जिन्होने समर्थन दिया है वो अपने बच्चों की रक्षा, आने वाले पिढी की रक्षा और जैव मण्डल की रक्षा के लिये अपनी ही जागृति से काम करे।

416. राधिका – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

417. बसंती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

418. रश्मि – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

419. प्रमिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

420. आरती – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। जैसे सबको पेमेंट मिलता है सबको मिलना चाहिये।

421. रमिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

422. कविता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

423. निर्मला, साल्हेओना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

424. चंपा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

425. मालती सिदार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

426. साबासी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

427. चमेली सिदार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

428. सरिता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

429. ममता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

430. सुलोचना – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

431. राससति – यहा आवेदन दिया हुआ था कि यहा की सभी पौधरोपण खराब हो रहा है इस आवेदन को हम लोग दिये थे और यहा आये है। यहा के धुआ से टी.वी. और कैंसर जैसी बिमारी हो रही है इसलिये हम जनसुनवाई में आये है।

432. विभा देवी –

433. मंगली बाई – मैं दुखी हूँ।

434. प्रहलाद, सपनई – रायगढ़ से आकर बोल रहे है कि ये लाग डस्ट खा रहे है। मेरे गांव से लगभग 80 प्रतिशत यहा काम करने के लिये आते है। रायगढ़ में ही सी.एस.आर. मद से काम होता है यहा क्यों नहीं होता।

435. दूर्गाप्रसाद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

436. रामदयाल – उद्योगपति और नेता लोग मनमानी कर रहे है, किसानी खतम हो गया, काम भी नहीं मिल रहा है और दारू पी रहे है। मैं इसका विरोध करता हूँ।

437. सुरेश कुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

438. प्रकाश कोलाईबहाल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

439. रूपचंद, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

440. सुरेखा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

441. गायत्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

442. लक्ष्मी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

443. संजू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

444. रोहित कुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

445. संजय – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

446. रतन बरेठ – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। एम.आए.पी. आने से पहले हमारे गांव को कोई नहीं जानता था। जब से कंपनी आई हमे रोजगार मिला और अपने घर को पालन–पोषण करते है। और इनके द्वारा एक स्कूल खोला गया और हमारे बच्चे अंग्रेजी मिडियम में पड़ते है और अंग्रेजी में बात करते है।

447. अमीर यादव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

448. शनी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

449. संदीप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

450. दुष्टि चौहान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

451. सरोज सिदार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

452. राजकुमार, कोतरलिया – इस क्षेत्र में मैं बचपन से आना–जाना कर रहा हूँ जब यहां कंपनी आया तो लगता है कि भगवान आ गया।

453. श्याम लाल, रायगढ़ – श्रम विभाग छत्तीसगढ़ शासन से जो रेट तय है उस रेट से कंपनी किसी को पैसा नहीं देते है। पूरे प्रदेश में जितने भी प्लांट में मजदुर कार्यरत है उनको न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है। कंपनी में कार्यरत मजूदर की कोई दुर्घटना होता है तो उनका इजाल करवाना होता है और मैं इस कंपनी का विरोध करता हूँ।

454. सूरज कुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

455. सुखलाल, नवापारा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

456. सुरेशनी साहू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

457. भूमि – जहा प्लांट होता है प्रदूषण होता है।

458. शशीकांत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

459. जितु – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

460. हरीश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

461. रविन्द्र – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

462. प्यारे लाल गुप्ता, जॉमगांव – आज एम.एस. पावर लिमिटेड को जो इतना बड़ा जनसुनवाई हो रहा है, उसके के लिये अधिकारी लोग भी आये हुऐ है। आज जो लोग इस जनसुनवाई का विरोध कर रहे है वे किस आधार पर विरोध कर रहे हैं, मैं उसको समझा नही सकता हूं। एम.एस.पी. की स्थापना के लिये वर्ष 1998 से हम इस अंचल में प्रायसरत है, इससे हमें कितनी खुशी होगी कि लोग जो रोजगार मिलेगा और लोग का जीवन यापन अच्छा होगा ऐसा आशा और भरेसा है। मैं विशेष निवेदन करके कहता हूं कि लोग बोलते है कि ऐसा हो जायेगा, वैसा हो जायेगा पर कोई 01 डिसमिल जमीन भी नही देते सब जमीन हमने दिया है, इसलिये हमे कम्पनी इज्जत एवं सम्मान दिया जाता है, किन्तु एक फर्क है कि वारितविक में सभी लोग कमा रहे है और खा रहे है, किन्तु उनमें पक्षपात की भावना आ गया है, क्या पक्षपात कि कम्पनी द्वारा जो बहारी व्यक्तियों को रोजगार दिया जाता है और ग्रामीण एवं स्थानीय लोगों को रोजगार नही किया जाता है ऐसे व्यवस्था को उनको बदलना पड़ेगा। जमीन तो मेरा गया है मैं रखा हूं उसकों पर जिसको जो बोलना है उसे सामने में कहना चाहिऐ। तो इसमें लाखों आदमी कमाते खाते आ रहे है तो मेरे नजर में ये अच्छा होता कि यदि हम सब एकत्रित होकर जायेगे और बात करेंगे तो अच्छा रास्ता निकलेगा यह मेरा विचार है। मैं समथर्म करता हूं।

463. धनंजय गुप्ता– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

464. राजेश त्रिपाठी–अभी हम सबेरे से करीब 03 घंटे से आज की जनसुनवाई की प्रक्रिया को देख रहा था, सुन रहा था, समझ रहा था। दरअसल जब ये पर्यावरणीय जनसुनवाई है, परन्तु जब लोग अपनी बात कहते थे, जिस तरीके से लोग आपस में झगड़ा करते थे, कर रहे थे, देख रहे थे। दरअसल ये जनसुनवाई इस बात के लिये है कि अगर एम.एस.पी. कंपनी का विस्तार होगा उस विस्तार से यहा के पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा और उस प्रभाव को हम खतम नहीं कर सकते परन्तु सब मिलकर उसको कम कैसे कर सकते है। मेरे हिसाब से ये जनसुनवाई है और ये 14 सितम्बर 2006 के अधिसुचना के मापदण्ड के अनुसार ये जनसुनवाई की जा रही है। सभी लोगो ने अपनी–अपनी बात रखा और जो बात रखने वाले लोग थे लगभग इस क्षेत्र के 80 प्रतिशत लोग युवा लोगों है, नवजवान लोग है। अगर उन सभी लोगो को रोजगार मिल गया और वो सब लोग रोजी–रोटी से स्थापित है तो मुझे लगता है कि नवजवानो की इतनी बड़ी फौज शायद जनसुनवाईयों में नहीं होती। इस ईआईए का हम तीन बार अध्ययन कर चुके, दो बार जनसुनवाईयां निरस्त हुई, आज जो जनसुनवाई हो रही है तीसरी बार हो रही है। ई.आई.ए. के अध्ययन में देखा गया कि जो पर्यावरण मंत्रालय की अधिसूचना है वो सुचना यह कहती है कि ई.आई.ए. के अंदर तीन साल से पुराने डाटे नहीं होने चाहिये और अगर तीन साल से पुराने डाटा है तो वो ई.आई.ए. मान्य नहीं होगी तो अगर हम आपके ई.आई.ए. के बारे में बात करे तो लगभग जो भी आपके ई.आई.ए. के अंदर आपने अध्ययन किया है डाटा निकाला है उन डाटा के अंदर 2010 का जो सरोकरा है उसके मुताबिक पुरे डाटा फिट किये गये है और दूसरी बात बता दूं कि ये पुरी की पुरी ई.आई.ए. कट इन पेस्ट है यानी कई और के

आई.ए. के पन्नो को निकाल कर एक जगह पेस्टिंग करके एम मोटी 400 पन्ने की ये किताब बना दी गई। मेरा यह कहना है जो आपके पिदे बैनर लगा है क्षमता विस्तार होगा उसमें 3,75,000 टी.पी.ए. से 9,53,000 टी.पी.ए. एस.एम.एस. लिखा है 3,05,512 टी.पी.ए. से 11,71,000 टी.पी.ए., 4,80,000 टी.पी.ए. से 10,20,000 टी.पी.ए. और सी.पी.पी. फार्म 72.5 मेगावाट और यहा अध्ययन का मूल बात यह आता है कि ये कंपनी का विस्तार है और इस कंपनी का हम मोटा–मोटा कहे तो लगभग डेढ़ से दो गुना इसके क्षमता का विस्तार होगा, अध्ययन करने की बात यह है कि आज चाहे जो भी व्यक्ति यहा जो भी बोलता हो परन्तु आज के बाद कल और बिते हुये कल के पहले परसो यही लोग बोलते थे कि इस क्षेत्र को जो हब था वो परवल की खेती का बहुत बड़ा हब था और अगर अभी देखे तो इन्हीं का कहना है कि प्रदूषण की वजह से जॉमगांव क्षेत्र सब्जी का हब था वो खतम हो गया है ये इन्हीं का कहना है, मेरा कहना नहीं है, हम आते–जाते रहते है इनके बिच में और विगत 30 साल से आ रहे है और आपस में भले ही हम एक–दुसरे से लड़ रहे है, एक–दुसरे को गाली दे रहे है, परन्तु ये एक–दुसरे को जानते सब है तो ये एक अच्छी बात नहीं है। दुसरी बात आपको कह दूं कि इन्हीं लोगो का कहना है कि प्रदूषण की वजह से लगभग 40 प्रतिशत महुआ का उत्पादन यहा कम हो गया है, ये मैं नहीं बोल रहा हूँ ये इन्हीं लोगो का कहना है। इनका कहना है कि इस क्षेत्र से चिरौंजी पुरा खतम हो गया ये इनका कहना है, इनका कहना है कि प्रदूषण की वजह से यहा डोरी खतम हो गया, हर्रा खतम हो गया, बेहरा खतम हो गया, और क्षेत्र में अगर जंगली जानवरों की बात करें तो जो हाथियों का क्षेत्र है यहा आना–जाना लगा रहता है ओर बारो महिना हाथी आते–जाते रहते है, इन्हीं के दावे को देखले तो 2020–21 में लगभग 15–20 ऐसे परिवार है जिनके यहा हाथियों का हमला हुआ है या कृषि का जो क्षतिपूर्ति है वो भुगतान किया गया है परन्तु ई.आई.ए. के अंदर वो चिजे नहीं आ पाई है। मैं प्रशासन से और हमारो जो ई.आई.ए. बनाने वाले एजेंसी है मैं उनसे अनुरोध करता हूँ कि आम जनता को, कंपनी और प्रशासन के बिच में ये बात रखी जानी चाहिये कि इस देश के अंदर उद्योग लगना चाहिये, उद्योग लगना जरूरी है, देश के विकास के लिये उद्योग की अपनी महत्ता है परन्तु जो पर्यावरण नियम है उन पर्यावरणीय नियमों का भी कंपनियों को पालन किया जाना चाहिये। अगर मैं कहुं हगारे पर्यावरण अधिकारी महोदय के दस्तावेज मेरे पास में है लगभग 86 लाख मीट्रिक टन रायगढ़ जिले के अंदर फ्लाई ऐश निकलता है और वो फ्लाई ऐश आप कही भी देख सकते है खेत में, खलिहान में, जंगल में, पहाड़ में, हर जगह और कंपनियां ये भी बताती है कि शत्प्रतिशत फ्लाई ऐश का निस्तारण होता है, जो कि आपको बता दूं कि रायगढ़ जिले के अंदर 03 प्रतिशत से ज्यादा किसी कंपनी की हिम्मत भी नहीं है जो फ्लाई ऐश निस्तारण कर ले, परन्तु दस्तावेजों में लगा हुआ है। इस ई. आई.ए. के अंदर आप यह बताईयें कि जो निकलने वाला 72.5 मेगावाट बिजली पैदा होगी इसमें जो कोयले का खपत होगा, जो उससे राख निकलेगा उसका निस्तारण कैसे किया जायेगा और कैसे होगा, जिससे यहा के जन–जीवन पर जीव- जंगल- जमीन–जानवर के जीवन पर इसका जो प्रभाव पड़ेगा उस प्रभाव को कंपनी और प्रशासन कैसे कम करेगी। मेरा यह कहना है कि अगर इस क्षेत्र का विस्तार हुआ है तो मैं भी

1998 से रायगढ़ में हूँ। इस क्षेत्र में कोई बता दे कि यहा कोई डिग्री कॉलेज बना है क्या यहा के लड़के लोगो को पड़ने के लिये या इस क्षेत्र मे स्टैंडर्ड दर्ज का कोई हब बना है क्या, इस क्षेत्र के अंदर लोगो के शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा जो शुद्ध पेय जल की हम बात करते है क्या वो लोगो का उपलब्ध हो पाया है क्या। कंपनियां सी.एस.आर. के तहत कुछ चिजे की है इस चिज को मैं नकार नहीं सकता और जो कंपनी ने बेहत्तर काम किया है उन बेहतर कामों का मैं कंपनियों के कामों का मैं हमेशा स्वागत भी करता हूँ। मैं कोई अपनी घरवाली का प्रेमकहानी नहीं सुना रहा हूँ, पर्यावरणीय मुद्दो पर बात करता हूँ और आज नहीं इन 15 सालों में लगभग 106 जनसुनवाई में मेरा प्रजेंटेशन है पर्यावरण अधिकारी के यहा सुचना का अधिकार लगाकर निकाल लीजिये। तो अगर आप बोलते है तो उसमें मैं हस्तक्षेप नहीं करता। मेरा अनुरोध है कि इन मुद्दों पर हम सबको विचार करना चाहिये, हम भावनाओं में बह कर बात नहीं करते, रायगढ़ जिले में 8 प्रतिशत लोगो को आज के डेट में कैंसर है, 62 प्रतिशत लोगो को इस्नोफिलिया है, दमा है, 24 प्रतिशत लोगो को खाद, खुजली और स्कीन का कैंसर है इन मुद्दों को कौन बतायेगा और इस क्षेत्र के अंदर आप बात करे तो पुरे अध्ययन रिपोर्ट को मैंने 30 साल से करवा रहा हूँ मेरे पास वो अध्ययन रिपोर्ट है, ई.आई.ए. बनाने वाली एजेंसी देख सकती है, मैं अपनी बात को शांतिपूर्वक कहना चाहता था, आप लोगो ने हमें अपनी बात कहने का अवसर दिया इस बात के लिये मैं बहुत–बहुत धन्यवाद देता हूँ।

465. किशोर कुमार, कोयलंगा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। समर्थन करने का कुछ कारण है। कई लोग आये हैं इसका कुछ समय निर्दिष्ट किया जाये। जो बाहर से आकर विरोध करते हैं जो अभी परवल खेती की प्रभावित हो रही हैं जो यहां बाले रहे थें मैं यहां खुद एक एकड़ में परवल लगाया हूं। यदि एम.एस.पी. अपना विस्तार कर रहा है तो उसका भी दूरगामी परीणाम होंगे। हमारे यहां लगभग हर व्यक्ति उस प्लांट में काम कर रहा हैं। एम.एस.पी. स्कूल जो आम लोगों का सपना था जो जिदंल स्कूल को भी पछाड़कर पहले स्थान प्राप्त किया है। यहां हर साल नेशलन दिल्ली तक फाईट कर रहें हैं। मैं यह अनुरोध कर रहा हूं कि योग्यतानुसार रोजगार दिया जाये।
466. कृष्ण कुमार– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
467. निलेश, कुकुर्दा– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
468. शशिभूषण– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। हर जगह जहां इण्डस्ट्रीयल होता है वहां प्रदूषण तो होता ही है। कंपनी इस ओर ध्यान दें
469. बद्रीपाटील– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
470. विकास गुप्ता, कुकुर्दा–इस प्लांट का सबसे बड़ी मात्रा में प्रदूषण है। यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं दिया जा रहा है। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
471. गोपाल प्रसाद, कुकुर्दा– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
472. सुशील, कोयलंगा– मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। सरको ध्यान देना चाहीये।

473. सविता रथ, रायगढ़ – मैं यहा पर कुछ ई.आई.ए. के बिन्दुओं पर अपनी बात रखनी आई हूँ। यहा कुछ बाते आ रही है मैं यहा सुबह से इंतजार कर रही हूँ और कुछ महत्वपूर्ण चिजे है जो यह ड्राफ्ट ई.आई.ए. कहलाता है जिसमें बहुत सारे सुधार की संवभावना है इसीलिये ये पर्यावरणीय जनसुनवाई रखी गई है आप लोगो के सुझाव, सलाह और टिप्पणी इसी लिये आमत्रित किया जाता है कि लोग आये आस–पास के या दुनिया के किसी भी कोने में आप पर्यावरण के मुद्दे पर आप अपनी बात रख सकते है, लिहाजा आज जिला प्रशासन ने एम.एस.पी. की जनसुनवाई रखा है उसमें हम अपनी बात रखने आये है। यहा पर कुछ चिजे जो एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड की जो पर्यावरणीय आज की जो जनसुनवाई है। इसके पर्यावरणीय प्रभाव आंकलन और सामुदायिक प्रभाव आंकलन कि कुछ बिन्दु पर जो हमे समझ में आई उसके आधार पर हम साझा करने आये है। आप जो ड्राफ्ट ई.आई.ए. बनाये है उसमें देख सकते है। इस जनसुनवाई का जो विस्तार किया जा रहा है, सबसे पहले ये जनसुनवाई 15 सितम्बर 2006 की अधिसूचना के तहत किसी भी कंपनी के आवेदन के 45 दिनों के भीतर जनसुनवाई हा जानी चाहिये और लगभग जो ई.आई.ए. बननी चाहिये वो 1 साल का ही डाटा रहनी चाहिये। रिसर्ज, अध्ययन चाले जल अध्ययन हो, चाहे प्रदूषण का अध्ययन हो, चाहे जंगलो के हो, चाहे यहा के जीव–जन्तु ओ, चाहे आस–पास के जो नागरिक है, महिलाये है, गर्भवती, शिशुवति महिलाये है उन तमाम चिजो को जब तक सामाजित प्रभाव आंकलन नहीं बना लिया जाता और ग्रामसभा में एक तिहाई महिला की हिस्सेदारी के बाद उस सामाजित प्रभाव आंकलन को नहीं पढ़ा जायेगा, पास नहीं होगा इससे पहले ई.आई.ए. बनाने की प्रक्रिया आप नहीं कर सकते है। आप इस ई.आई.ए. को अगर देखेंगे तो ये कापी–पेस्ट ई.आई.ए. है, 400 पेज है, जहां तक समय की बात कहा जाता है कि आप जिस ई.आई.ए. को बनाये है लगभग उसमें तकनिकी बिन्दुओं को देखे कि इस उद्योग के विस्तार होने से हमारे जल पर क्या प्रभाव पड़ेगा, हमारे खाने–पिने पर क्या प्रभाव पड़ेगा, हमारे स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इन तमाम चिजो के जो आंकलन है इमानदारी के साथ मुझे उम्मीद है कि ई.आई.ए. बनाने वाली कंपनी जो बनाई होगी, कब बनाई, कहा बनाई, कैसे बनाई ये सीक्स के फार्मुले के आधार पर है लेकिन ये जो 800 पेज का तकनिकी बाते है उसको 02 मीनट, 10 मीनट, 15 मीनट में आप नहीं बांध सकते है, अगर आप बांध सकते है तो 800 पेज की ई.आई.ए. को आप पढ़ लीजिये, हम लोग नहीं बोलेंगे, आप पढ़कर हमको सुनाकर हमको समझा दीजिये कि क्षेत्र के लोगो को इसमें क्षेत्र के विकास के साथ–साथ मुझे क्या–क्या प्रभाव पड़ेंगे, मेरे स्वास्थ्य में, मेरे बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेंगे, मेरे खाने में क्या प्रभाव पड़ेंगे, मेरे जानवरों के ऊपर क्या प्रभाव पड़ेंगे, मैं क्या खो रही हूँ, मेरा विकास कैसे होना चाहिये, ये मॉडल मेरा होना चाहिये, ना कि किसी उद्योग के ई.आई.ए. में लिखा होना चाहिये, मुझे पुछा जाना चाहिये एक महिला होने के नाते, रही बात जो रोजगार की बाते है मेरे लिये स्थानिय रोजगार कहां है जहां मैं सम्मानित रूप से इस उद्योग के स्थापना या विस्तार से मुझे स्थाई नौकरी मिल रही है जिसका सुरक्षित भविष्य के साथ मैं पेंशन पा सकू, कहा से मैं इस कंपनी मे काम करके लौट सकू और मेरी बीमा हो, कोई दुर्घटना हो तो उसमें मेरे परिवार को मुआवजा मिले ये तमाम चिजे क्या एस.आई.ए. में लिखा गया है

इसकी एस.आई.ए. बनी? एस.आई.ए. बनी तो कब बनी, कहा बनी, चुकि एस.आई.ए. बनने के बाद तीन लोगो की कमेटी जिला कलेक्टर महोदय के द्वारा बनाकर उसको ग्रामसभा में पटल में रखा जाता है 10 किलोमीटर की परीधि में। कोशिस होनी चाहिये कि महिलाओं की आवाज कम से कम आपके नजरों के सामने नहीं दबनी चाहिये। एम.एस.पी. की भर्रासाही में एक महिला से डरकर बुटिंग कराना बहुत शर्म की बात है। मैं व्यक्तिगत किसी उद्योग पर आरोप नही लगा रही हूँ। मैं उन्हीं के बनाये ई.आई.ए. में, उन्हीं के आमंत्रण में उनकी बात रखने आई हूँ। ये बोटिंग नहीं है कि आप अगर समर्थन करेंगे तो आपके उद्योग का विस्तार या खदान का विस्तार या किसी भी परियोजना का विस्तार में सफलता मिलेगी, विरोध कर देंगे तो रूक जायेगा बिल्कुल नहीं। आप लोगो को समझने की बात है कि हम जिस ई.आई.ए. की बात कर रहे है वो ई.आई.ए. को हम लोगो ने जितने भी लोगो ने चाहे समर्थन किये है, चाहे विरोध किया, कितने लोग समझते और कितने गांव पर ये ई.आई.ए. गई और 10 किलोमीटर के रेडियस में उड़ीसा के जो साथी आये है, सरपंच आये हैं, मेरे से पूर्व वक्ता आये है जो यहा बोल कर गये है, कुछ महिलाये और युवा लड़कियों ने चिल्ला कर कहा कि समर्थन नहीं करती है, क्यों नहीं करती है, यहा क्यों समर्थन लोग कर रहे है, इस पर विशेष रूप से क्या जिला प्रशासन ने पिछले 1 माह में कोई मुहिम रखा, नहीं रखा? कि वो समझे कि ई. आई.ए. क्या है, किस बात की जनसुनवाई है। कलेक्टर साहब आ रहे है हमे उन्हे हमें अपनी बात रखना है, ये महत्व नहीं है कि क्यों आया, क्यों ये जनसुनवाई रखी, क्यों हमे अपनी बात रखनी चाहिये, कोई बात नहीं अगर आप समर्थन भी करते है और उद्योग का समर्थन में भी बोल रहे है अच्छी बात है लेकिन इन चिजो को समझने के बाद, कागज जो है बेहद महत्वपूर्ण है, दस्तावेज महत्वपूर्ण है। आपको बता दूँ पीठासीन अधिकारी साहब और जिला पर्यावरण अधिकारी साहब कि ये जो कंपनी है इसको 10 किलोमीटर के रेडियस में महानदी आई है, महानदी आने के साथ–साथ अगर जी.पी.एस. मेपिंग अगर आप देखते है तो 10 किलोमीटर के जी.पी.एस. के मेपिंग में आपका सुंदरगढ़ का ईब नदी आ रहा है जो वहा का जीवनदायीनी है वहीं पर। एक महत्वपूर्ण बिन्दु पर आपका ध्यान आकृष्ठ करना चाहती हूँ पीठासीन अधिकारी साहब शायद एम.एस.पी. ने यह ध्यान नहीं दिया लेकिन सामुदायिक वन अधिकार पट्टा के तहत राज्य सरकार ने 5 गांव के ग्रामसभा के जंगलो को अधिकार दिया है और प्रबंधन की पट्टा दिया है। मतलब जॉमगांव में 173.205 हेक्टेयर जंगल जॉमगांव ग्रामसभा को दिया गया है। सामुदायिक वन अधिकार संसाधन प्रबंधन का, अड़बहाल सिकोसी गार्ग ग्रामसभा को दिया गया है 191.525 हेक्टेयर जमीन, बेहरापाली ग्रामसभा को दिया गया है 165.204 हेक्टेयर, कोयलंगा ग्रामसभा को दिया गया है 31.685 आप लोग भी सुनिये, वही पर सपनई और साराईपाली ग्रामसभा को 112.328 हेक्टेयर, मरोड़ा ग्रामसभा को 223.428 हेक्टेयर, मनुआपाली ग्रामसभा तक को दिया गया है 182.943 ये सामुदायिक अधिकार पट्टा प्राप्त ग्रामसभा है, क्या इन ग्रामसभाओं से सामुदायिक वन अधिकार के तहत जो कमेटी बनी है वन प्रबंधन समिति जो सरकार की बनी है क्या उन्होने इस जनसुनवाई की अनुमति दिया, वो जंगल के क्या हालत है उसका वेल्युवेशन हुआ, क्या पर्यावरण अधिकारी, वन मण्डलाधिकारी चाहे राज्यस्व अधिकारी और आदिवासी विकास

प्राधिकरण के अधिकारी ये तीन लोगो की कमेटी जब तक इस रिपोर्ट की टीम बनाकर जॉच स्वतंत्र एजेंसी का टीम बनाये बिना अगर ये जनसुनवाई करवाते है तो यह जनसुनवाई अपने आप में अवैध है, ऐसे कागजो को अगर आप ई.आई.ए. सही समय में बनाये होते, अगर आप कॉपी–पेस्ट नहीं किये होते तो आज ये टीप्पणी और ये जानकारी आपके ई.आई.ए. में होती और शायद आप ज्यादा सतर्क होते और साफ–सुथरा कॉगज बनाया होता। मेरी बात बस इतनी है कि मैं आप सब का जो बाते है, सबकी भावनाये है, भाई लोग पिछे है इनत माम टीप्पणियों के साथ अंतिम मैं आपका ध्यान आकृष्ठ करना चाहती हूँ। यहा के जो आंगनबाड़ी केन्द्रो के बच्चो के स्वास्थ्य की जॉच, यहा के गर्भवती, शिशुवति, किशोरियों के जॉच के साथ–साथ फ्लाई ऐश डाईक नहीं है एम.एस.पी. कंपनी की, तो फ्लाई ऐश डाईक आप कहा बनायेंगे, कब तक बन जायेगी ये फ्लाई ऐश जो यत्र–तत्र जो फैला पड़ा है पुरे जंगल में जो बारीस में बह कर आपके खेतो, नदी, नाला, स्कूल, हवा, पानी में बहेगी उसके लिये आप फ्लाई ऐश डाईक, फ्लाई ऐश का निस्तारण कैसे करेंगे, ये अलग मुद्दा है कि फ्लाई ऐश के अंदर आप कब तक रीसर्च करवायेंगे और इन लोगो को बतायेंगे कि उस फ्लाई ऐश में क्या–क्या मटेरियल है जो आपके स्वास्थ्य को, आपके खाने को, आपके पिने को, आपके गर्भावस्था को, आपके बच्चों के शारिरिक, मानषिक अवस्था को प्रभावित करते है उस तमाम चिजों की जॉच कब तक जिला पर्यावरण अधिकारी कर पायेंगे ये आप सबके बिच में सवाल है। इन सब बातों के साथ मैं लिखित में अपना कॉगज दे रहीं हूँ।

474. रोजेन्द्र, सुंदरगढ़ उड़ीसा – आज इस जनसुनवाई में उपस्थित सभी अधिकारी एवं मीडिया, पुलिस प्रशासन आदि सब को धन्यवाद करता हूं कि आप लोगों के सहयोग से ओडिसा से आकर इस जनसुनवाई में मैं अपना दो शब्द कहना चाहता हूं। यह जो ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार किया गया है यह पूर्ण रूप अधूरा एवं असंपूर्ण है, जिसके आधार जनसुनवाई हो रहा है। अधूरा इस लिये कहा जा रहा है कि एम.एस.पी. प्लांट छत्तीसगढ़ एवं ओडिस के बीच में स्थित हैं एवं आस पास के गांव सहित झारसुगड़ा जिला एवं सूंदरगंड़ जिला के लगभग 15 गांव भी प्रभावित हो रहे है। जिस समय ई.आई.ए. रिपोर्ट तैयार किया जाता है उस समय आप पास के लोगों, जंगल, जमीन, जीवन यापन, पर्यावरण आदि पर क्या और कितना प्रभाव पड़ेगा उसके मूल्यांकन पश्चात् तैयार किया जाता चाहिऐ। यदि ई.आई.ए. रिपोर्ट हमें प्राप्त होता तो हम उसका अध्ययन करते है जानते की कितने क्या–क्या प्रभाव पड़ेगा और क्षतिग्रस्त होगा है एवं इसके लिये क्या सुविधा किया गया है, यह जानना हमारा अधिकार है। इसके बाद जनसुनवाई होना चाहिऐ था। सुंदरगढ़ जिला आदिवारी क्षेत्र है, इस जिला के अंतर्गत जितना कानून लागू है, आपके विस्तार करने से सुंदरगढ़ जिला प्रभावित होगा एवं आप लोगों को ग्राम सभा बैठक उपरांत ही ई.आई.ए. तैयार करना था। किन्तु इस ई.आई.ए. रिपोर्ट में हमारे जिला में क्या प्रभाव पड़ेगा इसका कहीं भी किसी प्रकार का उल्लेख नही किया गया है। यह एम.एस.पी. प्लांट के लगभग 02 कि.मी. की दूरी पर रहवासी बस्ती है, इस रहवासी बस्ती में कई लोग रहते है, कम्पनी से उनके स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है इसके लिये आपने किसी प्रकार की कोई व्यवस्था नही किया है। इसके बाद मैंने आते हुऐ देखा कि जो फ्लाई ऐश है वह पूरे रास्ते में फैला

हुआ है उसे बाउण्ड्री के पिछे रखा जाना चाहिऐं। मैं जो ओडिया में बोल रहा हूं उसे आप दर्ज करेंगें। आप देखेंगे कि वर्ष 2018 के मई के माह में ओडिसा फोरेस्ट डिपार्टमेंट द्वारा प्रेस जारी किया गया, जिसमें यह कहा जाता है कि यह एक खुशी की बात है कि गरजन पहाड़, जो गिजा फोरेस्ट है जो उसमें लग के जो जंगल है सर जिसे धनुबांस बोलते है उसके काला चिता पाया गया है। जो जल महानदी से आता है उसमें कम्पनी अपना दूषित पानी को छोड़ रहा है, जिससे वहां के लोग पीने, धोन, नहाने आदि हेतु उपयोग कर रहे है। इसे ई.आई.रिपोर्ट में दर्ज किया जाना चाहिऐ था। यहां से जंगलो से लोगों को जो तेंदू पत्ता प्राप्त होता हैं वह लोगों के अजीविका का मुख्य भाग है। इस लिये मैं यह कहता हूं कि यह जो ई.आई.ए. रिपोर्ट है उसे पुनः तैयार कर फिर से जनसुनवाई किया जाये एवं सब स्थितियों का मूल्यांकन पश्चात् जनसुनवाई किया जायें। मैं कम्पनी के विस्तार का विरोध करता हूं एवं मैं उपस्थित अधिकारी महोदय एवं शासन से निवेदन करता हूं कि इस जनसुनवाई को तत्काल निरस्त किया जायें। धन्यवाद।

475. अजित गुप्ता – लोग बोलते है प्रदूषण खराब हो रहा है। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
476. रामकुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
477. भगत गुप्ता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
478. अफताब – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
479. सेतकुमार साहू, बेहरापाली – जो भी सी.एस.आर. मद का पैसा है उसे यहा उपयोग में करवाये। मेसर्स एम. एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
480. माधव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
481. अनंत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
482. चंद्रमणी गुप्ता – आज जब से एम.एस.पी. हमारे क्षेत्र में आया है यहा विकास की अच्छी संभावना बनी है। यहा के युवा, भाई–बहन का विकास हुआ है। यहा उड़ीसा से भी काम के लिये आते है। 1 गांव से काम करने के लिये लगभग 100 लोग आते है। हमारे क्षेत्र में जितने भी गांव है सबका विकास हो। मेसर्स एम. एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
483. सुंदर प्रधान, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
484. केशव गुप्ता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
485. प्रकाश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
486. विकास, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
487. गजाधर सिंह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
488. ललित कुमार, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
489. अरूण – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।
490. गजानंद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

491. संदीप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

492. मानू – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

493. प्रफुल्ल, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कंपनी सबका झोली भरता है। यहा बहुत ज्यादा गरीबी था, यहा प्रदूषण कुछ नहीं होगा।

494. मोहन, राठिया, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

495. नेतराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

496. नोहर, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

497. गोपी चौहान - मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

498. मोंटी सिंह, पतरापाली – अभी जो सुंदरगण से आया था उसको पैसा नहीं मिला था इसलिये विरोध किया है।

499. चेतन सारथी, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

500. गाणा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

501. अमित, खैरपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

502. अंकित – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

503. विजय, पतरपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

504. मंदीप, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

505. आकाश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

506. लक्ष्मीप्रसाद, पतरापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

507. मुकेश, नवापाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

508. पवित्र राठिया – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

509. प्रशांत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

510. लोकेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

511. पंकज, बनौरा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। प्लांट का जितना भी विस्तार होगा उतना ही हमारे गांव का विस्तार होगा और रोजगार मिलेगा।

512. निषाद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

513. चंदन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

514. सुमित – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

515. दीलिप – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

516. जय भोय – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

517. गंगाराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

518. रमेश कुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

519. मनोज – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

520. राजेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

521. समिर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

522. करण – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

523. दिनेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

524. शत्रुघन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

525. लखन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

526. नरेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

527. कलाराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

528. सूरज – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

529. रितिक – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

530. युवराज – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

531. प्रहलाद – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

532. सेतकुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

533. अमित – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

534. शिव कुमार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

535. साकेत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

536. नरेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

537. आकाश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

538. सागर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

539. राजेश, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। कंपनी ने इंगिलिस मिडियम स्कूल बनाया है जिसमें बच्चे पढ़ रहे है। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

540. अभिषेक – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

541. सूरज – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

542. घुराउ – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

543. मनीष – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

544. सतीश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

545. सुशील – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

546. दीपक यादव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

547. सुरेश्वर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

548. संतराम – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

549. सुशांत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। स्वास्थ्य के लिये पैसा खरचा करना पड़ता है, स्वास्थ्य का आमदनी नहीं हो पा रहा है, स्वास्थ्य का व्यवस्था नहीं हो पा रहा है। बस आमदनी हो रहा है।

550. श्रीवास – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

551. पंचराम राठिया, सराईपाली – मेरा बेटा रायगढ़ में काम कर रहा है उसे कंपनी में काम दिलवा दो।

552. राजेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

553. संजय पटेल – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है। किसी भी घर में दसकर्म होता है तो कंपनी साथ देता हूँ।

554. गौरांग – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

555. सुरेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

556. रितेश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

557. विकास, छुहीपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

558. रूपम पाण्डे, जॉमगांव – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

559. सुशांत, उड़ीसा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

560. सचिन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

561. उदय, छुहीपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

562. रामप्रसाद सिदार, सराईपाली – जब से कंपनी आया है रोजगार मिला है। हर गांव से 70–80 प्रतिशत काम करने के लिये आते है हर घर में मोटर–साईकिल हो गया है। कंपनी के आने के बाद इस क्षेत्र का बहुत ही विकास हुआ है और कंपनी प्लांट के पदाधिकारी का भी धन्यवाद है। कोई भी काम हो चाहे एंबुलेंस 5–10 मीनट में पहुंच जाता है। स्वास्थ्य सेवा में भी कंपनी बहुत अच्छा है। मुझे खाशी हो गया था कंपनी ने कैंप लगाया था और मुझे वहा से दवाई मिला और मैं ठीक हो गया। कंपनी शिक्षा के क्षेत्र में भी अच्छा काम कर रहा है। कंपनी द्वारा पचरी निर्माण करवाया, पेय जल की समस्या का भी हल हो गया है। कंपनी द्वारा बोर खनन, पचरी निर्माण करवाया गया है। हमारे क्षेत्र का विकास हो रहा है, रोजगार मिल रहा है। कंपनी के प्रबंधक बोले आपका बेटा बाहर से पढ़ा–लिखा है मैं उसे कंपनी में काम देना चाहता हूँ। मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

563. संतोष कुमार, कोलाईबहाल – मेरा सुझाव है कि इस क्षेत्र में जितने भी महिलाये थी लकड़ी काटने के लिये जाते था तो पुलिस वाले पीटाते थे आज स्थिति ऐसी है की लोगो को रोजगार मिल रहा है। सभी को रोजगार मिलने से सभी लोग यहा रह रहे है। जो बाहर से आये है उन लोगो को क्या मालुम वो लोग हमारे पेट को मारने का कोशिश कर रहे है। कंपनी के द्वारा ई.एस.पी. मशीन लगाया गया है। क्षमता

विस्तार में भी हम लोग अनुरोध किये हैं। हम लोगो की पट मारने की कोशिस मत कीजिये। मेसर्स एम.एस. पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

564. ललित – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

565. रंजीत, उड़ीसा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

566. अनंत – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

567. बलराम सिंह – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

568. सुभाष – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

569. रामा सिदार – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

570. गगन – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

571. डिग्री – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

572. दयाशंकर – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

573. अजय, कोयलंगा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

574. उर्मिला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

575. उत्तरा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

576. कमला – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

577. सविता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

578. रूपाली – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

579. सुनिता – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

580. उत्तरा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

581. सुकांति – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

582. जबरन प्रधान – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

583. शेखसाबी – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है समर्थन इसलिये करता हूँ क्योंकि गांव में और हर क्षेत्र में काम किये है। भारत में जितने भी बेरोजगार थे वो हमारे जॉमगांव में काम कर रहे है। सभी लोगो को आर्थिक रूप से फायदा दे रही हैं।

584. अमृत लाल यादव, नवापारा – लोग पढ़े-लिखे है उनको नौकरी नहीं मिल पा रहा है समस्या का समाधान करें।

585. सतीश गुप्ता, महापल्ली – यहा रोड दुर्घटना होती हैं। 1 महिने के अंदर 03 सड़क दुर्घटना हो गयी है। उनके गाड़ी जाने के लिये अलग से रोड बनवाये।

586. भोलाराम, कुकुरदा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

587. ओमप्रकाश – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

588. तेजराम गुप्ता, कुकुरदा – मेसर्स एम.एस.पी. स्टील एण्ड पॉवर लिमिटेड का समर्थन है।

(40)

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी ने कहा कि यदि कोई ग्रामीणजन, आस–पास के प्रभावित लोग अपना पक्ष रखने में छूट गये हो तो मंच के पास आ जाये। जनसुनवाई की प्रक्रिया चल रही है। उन्होने पुनः कहा कि कोई गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधी छूट गये हो तो वो आ जाये। इस जन सुनवाई के दौरान परियोजना के संबंध में बहुत सारे सुझाव, विचार, आपत्ति लिखित एवं मौखिक में आये है जिसके अभिलेखन की कार्यवाही की गई है। इसके बाद 03:50 बजे कंपनी के प्रतिनिधि/पर्यावरण कंसलटेंट को जनता द्वारा उठाये गये ज्वलंत मुद्दो तथा अन्य तथ्यों पर कंडिकावार तथ्यात्मक जानकारी/स्पष्टीकरण देने के लिये कहा गया।

कंपनी कंसलटेंट श्री जे.के. मोहित्रा लैण्ड के संबंध में हमे 73.2 एकड़ जमीन चाहिये जो रूल्स एण्ड रेगुलेशन के हिसाब से किया जायेगा, ई.आई.ए. रिपोर्ट में मानव पर जल से क्या प्रभाव पड़ता है, धान पर क्या प्रभाव पड़ता है इस पर प्रश्न पुछा गया था जिसके लिये इसके अनुरूप कार्य किया जायेगा और भी उत्सर्जन होगी वो निर्धारित मानकों के अंदर होगी, परिवेशीय वायु गुणवत्ता निर्धारित मानक के अंदर रहेगी। ई.टी.पी. का निर्माण भी किया जायेगा जिससे दूषित जल को फिल्टर कर लिया जायेगा। लैण्ड में कोई नया फ्लाई ऐश जनित नहीं होगा। सालिड वेस्ट को सीमेंट फैक्ट्री में भेज दिया जायेगा। बैग फिल्टर भी लगाया जायेगा। कुर नाला से इंटेक वेल बनाकर पानी लिया जायेगा जिसके लिये आवेदन किया गया है। उड़ीसा में किसी भी प्रकार का इंपेक्ट नहीं होगा। सीएस.आर. मद से काम किया जायेगा। स्थानिय लोगो के रोजगार के लिये 2000 लोगो को क्षमता विस्तार में रोजगार दिया जायेगा और यहा 70–80 प्रतिशत लोगो को रोजगार पहले ही दिया जा चुका है।

सुनवाई के दौरान 139 अभ्यावेदन प्रस्तुत किये गये तथा पूर्व में 28 अभ्यावेदन प्राप्त हुये है। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई। लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा पढ़कर सुनाया गया। तत्पश्चात सायं 04.45 बजे धन्यवाद ज्ञापन के साथ लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की गई।

25/03/2022

**(एस.के. वर्मा)**
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

25/3/22

**(आर.ए. कुरूवंशी)**
अपर कलेक्टर
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)